जीवन दर्शन

ईश्वर ने संसार को कर्म प्रधान बना रखा है, इसमें जो मनुष्य जैसा कर्म करता है उसको, वैसा ही फल प्राप्त होता है।
- गोस्वामी तुलसीदास

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

www.globalherald.news

मंगलवार 03 दिसंबर, 2024 | वर्ष - 13, अंक 294 | » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 8 » मूल्य ₹ 2.00

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

पेज -8 पर

न्यूज ब्रीफ

बाबा बागेश्वर को फिर मिली हत्या की धमकी, गिरफ्तारी की मांग

अमृतसर। बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। इस पर आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने मांग हिंदू संगठनों ने की है। जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश स्थित बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर पंजाब में बवाल मचा हुआ है। दरअसल 18 मार्च को मुरादाबाद में धीरेंद्र शास्त्री ने हरिहर मंदिर को लेकर एक बयान दिया था, जिसे पंजाब के सिख कट्टरपंथी बरजिंदर परवाना ने अमृतसर स्थित हरमंदिर साहिब यानी गोल्डन टेंपल से जोड़ा है। इसे लेकर अब उसने पंडित धीरेंद्र शास्त्री को कथित धमकी दी कि उनकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है, चाहे जैसे मर्जी, उन्हें मार डालेंगे। बरजिंदर परवाना ने पंडित शास्त्री को पंजाब आने की चुनौती दी और फिर जान से मारने की कथित धमकी भी दे डाली। यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी धीरेंद्र शास्त्री को धमकियां मिल चुकी हैं।

चिराग को झटका, गया की युवा विंग ने दिया सामूहिक इस्तीफा

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (एएलपीआर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की पार्टी के गया युवा लोकजन शक्ति पार्टी (रामविलास) विंग की पूरी कमेटी ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। इन्होंने पार्टी में नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं दिए जाने का आरोप लगाया है। यह चिराग के लिए एक झटका है। इस संबंध में लोजपा (रामलिवास) के युवा विंग के पदाधिकारियों ने प्रेस वार्ता में युवा लोजपा के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार ने आरोप लगाया है कि पार्टी में नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्मान नहीं दिया जा रहा है, बल्कि एक विशेष पक्ष के लिए ही ध्यान दिया जाता है, जबकि चिराग पासवान बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट का नारा देते हैं, लेकिन इसके विपरीत उनकी पार्टी में खास पक्ष की ही सुनी जाती है। मुकेश ने कहा कि हम लोग पिछले दस सालों से पार्टी से जुड़े हैं लेकिन अपनी ही पार्टी में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं जिससे मन ऊब चुका है। बीमारी हो या कोई समस्या, पार्टी के सीनियर लोगों को इससे कोई लेना-देना नहीं है।

त्रिपुरा के परिवहन मंत्री ने की बांग्लादेश में बस पर हमले की निंदा

गोमती। त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने बताया कि अगरतला से कोलकाता जा रही श्यामोली परिवहन बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। उन्होंने इस क्रूर हमले के खिलाफ कड़ी निंदा की और पड़ोसी देश के प्रशासन से भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। सुशांत चौधरी ने सोशल मीडिया पर इस घटना के तस्वीरें साझा करके जानकारी दी कि बस ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर हमला का शिकार हुई। हमले के बाद स्थानीय लोगों ने भारतीय यात्रियों को धमकाना शुरू किया और उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने भी इस मामले में जानकारी जुटाने का प्रयास किया और बस पर हमले की सूचना मिलने पर विवेचना की। उन्होंने अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की और सीमा सुरक्षा बल और पुलिस से कड़ी निगरानी की मांग की।

किसानों के दिल्ली कूच से शहर में लगा महाजाम

नोएडा ■ एजेंसी

ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण से अपनी मांगें पूरी करने के लिए आंदोलन कर रहे किसानों ने सोमवार को महामाया फ्लाईओवर के पास जुटकर दिल्ली कूच किया। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले जुटे किसान पुलिस के रस्से और बैरिकेडिंग को पार करते हुए दलित प्रेरणा स्थल सेक्टर-95 में सेक्टर-18 के लिए चढ़ने वाले रैंप के पास तक पहुंच गए। फिर यहीं पर किसान सड़क पर बैठ गए। करीब एक घंटा प्राधिकरण व पुलिस अधिकारियों के साथ किसानों की वार्ता हुई।

किसान इस मांग पर अड़े रहे कि मांगे अभी मानी जाएं या उनको दिल्ली जाने दिया जाए। पुलिस-प्रशासन किसानों को वापस घर भेजने की कोशिश में था। आखिर में किसानों ने 7 दिन का समय दिया। तब तक किसान दलित प्रेरणा स्थल के अंदर ही धरना देंगे। इस दौरान एक्सप्रेस-वे दोनों तरफ से बंद होने से ट्रैफिक शहर के अंदर के रास्तों पर डायवर्ट कर दिया गया। फिर एक्सप्रेस-वे पर नोएडा आने वाले वाहन कई किलोमीटर लंबी दबाव दोनों तरफ से अचानक से बढ़ने पर व्यवस्था चरमरा गई। इस तरह एक्सप्रेस-वे से लेकर शहर के अंदर की सड़कों पर लोग घंटों जाम में फंसे रहे। शाम तक वाहन रेंगते नजर आए। किसान इस मांग पर अड़े रहे कि मांगे अभी मानी जाएं या वापस घर भेजने की कोशिश में था। आखिर में किसानों ने 7 दिन का समय दिया। तब तक किसान दलित प्रेरणा स्थल के अंदर ही धरना देंगे। इस दौरान एक्सप्रेस-वे दोनों तरफ से बंद होने से ट्रैफिक शहर के अंदर के रास्तों पर डायवर्ट कर दिया गया।

प्रशासन को दी सात दिन की मोहलत

जाम में कई एंबुलेंस भी फंसीं

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस-वे बंद होने से लगे जाम में कई एंबुलेंस भी फंसी। पहले दो एंबुलेंस आने पर किसानों का दिल्ली कूच जब नहीं शुरू हुआ था तब महामाया फ्लाईओवर के पास से उनको रास्ता देकर निकाला गया। इसके बाद एक एंबुलेंस तब आ गई जब किसान दलित प्रेरणा स्थल के सामने बैरिकेडिंग के ऊपर चढ़ गए थे।

शहर में भी जाम जैसे हालात बने

शहर के अंदर जो ट्रैफिक मोड़ा गया उससे सेक्टर-38 से लेकर सेक्टर-1 न्यू अशोक नगर बॉर्डर तक जाम के हालात बन गए। उद्योग मार्ग से ग्रेटर नोएडा की तरफ जाने वाले वाहन मोड़े गए उनसे सेक्टर-15 से लेकर 38 तक जाम की स्थित बन गई। इसी तरह डीएनडी से लेकर पर्थला व अन्य रास्तों पर जाम की स्थिति रही।

तीन किलोमीटर लंबी वाहनों की कतार लगी

किसान और आगे बढ़े फिर महामाया फ्लाईओवर का वह लूप जिससे चढ़कर वाहन सेक्टर-38 की तरफ आते हैं वह खोल दिया गया और यहीं पर बैरिकेडिंग लगा दी गई। इसके बाद चिल्ला और डीएनडी बॉर्डर से आकर ग्रेटर नोएडा की तरफ जाने वाला ट्रैफिक भी रोक कर शहर की तरफ फिल्म सिटी फ्लाईओवर के समानांतर व उद्योग मार्ग से मोड़ दिया गया। करीब 50 मिनट बाद एक्सप्रेस-वे पर ग्रेटर नोएडा की तरफ जाने वाली सड़क खोली गई। लेकिन महामाया से डीएनडी, चिल्ला बॉर्डर व नोएडा आने वाले ग्रेटर नोएडा की तरफ से आने वाले वाहनों व कालिंदीकुंज से आने वाले वाहनों के लिए रास्ता बंद रहा। इस वजह से एक्सप्रेस-वे पर वाहनों का दबाव बढ़ा करीब 3 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी लाइन लगी रही।

INDIA ब्लॉक में खटपट?

संसद में कांग्रेस के एजेंडे से इन दलों का किनारा, विपक्ष की मीटिंग से TMC नदारद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

25 नवंबर से शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र में अभी तक गतिरोध बना हुआ है। कांग्रेस सदस्य लोकसभा और राज्यसभा में अदाणी समूह से जुड़े मामले को उठा रहे हैं, वहीं सपा सांसद संभल हिंसा के मामले पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। सोमवार को भी दोनों सदनों की कार्यवाही आधा घंटा भी नहीं चल सकी।

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि विपक्षी दल संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही चलने देने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए जरूरी है कि संविधान पर चर्चा हो। वहीं संसद की कार्यवाही से पहले INDIA ब्लॉक के नेताओं की राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से हुई जिसमें राहुल गांधी तो शामिल हुए लेकिन टीएमसी से कोई भी सदस्य इसमें नहीं पहुंचा। दरअसल तृणमूल कांग्रेस चाहती है कि सदन में मंहगाई, बेरोजगारी, किसान, उर्वरक, विपक्षी राज्यों को मिलने वाले पैसे में कटौती और मणिपुर जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा हो। वहीं कांग्रेस चाहती है कि अडानी मुद्दे पर ही चर्चा हो। वहीं कांग्रेस के रूख से सपा भी किनारा करती दिख रही है। वहीं अन्य विपक्षी दल भी चाहते हैं कि किसान, संभल और मणिपुर जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो।

यानि विपक्षी दलों में टीएमसी का रुख साफ है कि संसद में सभी मुद्दों पर चर्चा हो, कमोबेश ऐसा ही कुछ समाजवादी पार्टी भी चाहती है। सपा सांसदों ने आज लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और संभल मुद्दे पर चर्चा का अनुरोध किया। सपा नेताओं के अनुसार अडानी का मुद्दा संभल जितना बड़ा नहीं है। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि हमारे लिए अदाणी से बड़ा मुद्दा किसान हैं। यानि कांग्रेस भले ही अदाणी अदाणी का रट लगाए बैठी हो, मगर विपक्ष के कई दल और भी मुद्दों पर बहस करना चाहते हैं।

अगर जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 फीसदी के नीचे गई तो समाज खत्म हो जाएगा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने घटती जनसंख्या पर जताई चिंता

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने हिंदुओं का नाम लिए बगैर भारत में उनकी घटती जनसंख्या पर चिंता जाहिर जताई है। उन्होंने कहा कि अगर समाज की जनसंख्या वृद्धि दर गिरते-गिरते 2.1 फीसदी के नीचे चली गई तो तब समाज को किसी को बर्बाद करने की जरूरत नहीं, वह खुद ही खत्म हो जाएगा। इसलिए कम से कम तीन बच्चे पैदा करना जरूरी है।

नागपुर में एक सम्मेलन में भागवत ने कहा कि कुटुंब यानी परिवार समाज का हिस्सा है और हरेक कुटुंब इसकी इकाई है। भागवत ने भले ही ये संकेत हिंदुओं के संदर्भ में दिया है, लेकिन हकीकत ये है कि आज महंगाई, बेरोजगारी की मार झेल रहा आम आदमी के लिए तीन-तीन बच्चे पैदा करना और उनका पालन-पोषण करना कितना मुश्किल हो सकता है। जहां एक

बच्चे के पालन पर ही अच्छा खासा खर्च होता है। जानते हैं कि देश में बच्चे पालना कितना महंगा हो सकता है। इस साल भारत बढ़ती आबादी की लंबी छलांग लगाते हुए चीन को पछाड़ कर जनसंख्या में दुनिया में नंबर वन पर आ गया। हालांकि, भारत में बहुसंख्यक हिंदू पिछली जनगणना में 80 फीसदी थे। जो अब इस साल तक उनकी जनसंख्या वृद्धि दर घटने से देश में उनकी कुल आबादी घटकर 78.9 फीसदी रह गई। वहीं, हिंदू आबादी अब भी देश में करीब 100 करोड़ है। दुनिया के 95 फीसदी हिंदू भारत में रहते हैं। वहीं, देश में मुस्लिम आबादी की वृद्धि दर बढ़ी है।

कड़ाके की ठंड के आसार

फेंगल तूफान के असर से हवाओं का रुख बदला

भोपाल ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश में कड़ाके की सर्दी पड़ने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में प्रदेश में सबसे कम सात डिग्री सेल्सियस तापमान राजगढ़ में दर्ज किया गया। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस पर रहा। राजधानी सहित 11 शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, हवाओं का रुख बदलने से कहीं-कहीं आंशिक बादल छाने लगे हैं। इस वजह से न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन ठंड का जलवा बरकरार रहने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में देश के पश्चिमोत्तर क्षेत्र में जेट स्ट्रीम बना हुआ है। बंगाल की खाड़ी में तूफान फेंगल कुछ कमजोर पड़ने के बाद गहरा अवदाब का क्षेत्र बन गया है। इसके पुडूचेरी के आसपास टकराने के आसार हैं। पाकिस्तान के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में बना हुआ है। हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है।

कश्मीर में बर्फबारी जारी, मप्र-राजस्थान में पारा 10 डिग्री तक हुआ कम

नई दिल्ली। कश्मीर के पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के चलते मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई जिलों में ठंड के मौसम का असर देखने को मिल रहा है। मध्य प्रदेश के 10, राजस्थान के 8, उत्तर प्रदेश के 2, छत्तीसगढ़ के 2 शहरों में पारा 10डिग्री से कम रिकॉर्ड किया गया है। कश्मीर के मारवाह, किश्तवाड़ और बादवान में सीजन की पहली बर्फबारी देखने को मिली है। केंद्रीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार अगले 24 घंटों में हिमाचल के कांगड़ा, किन्नौर, कुल्लू, लाहौल स्पीति और चंबा में बर्फबारी होने के आसार हैं। इधर, 32 दिन बाद रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 300 से नीचे दर्ज किया गया। केंद्रीय पर्यावरण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, एक्यूआई 285 दर्ज किया गया है, लेकिन दिल्ली में हवा की कैटेगरी अभी भी खराब बनी हुई है। दक्षिण भारत में कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में फेंगल तूफान का असर देखने को मिला, जिसके चलते सोमवार को भी भारी बारिश हुई है।

व्यंग्य : स्मार्टफोन से लूट : पकड़ने में पुलिस कितनी स्मार्ट ..?

शीर्षक में सवाल इसलिए है, क्योंकि आज का दौर स्मार्टफोन का है, इंटरनेट व एआई तकनीक का है और अपराधी अधिक स्मार्ट हैं और स्मार्टफोन पर किसी ने जरा सी चूक की तो लाखों, करोड़ों की लूट हो जाती है.यह लूट, डकैती बंदूक वाली नहीं है जो पुलिस सघन अभियान चलाकर अपराधी को पकड़ भी लेती है, लेकिन स्मार्टफोन से हुई लूट यानी साइबर क्राइम, डिजिटल अरेस्ट के प्रति क्या हर पुलिसमेन स्मार्ट है..? जवाब है नहीं है और प्रधानमंत्री मोदी चाहते हैं कि हर राज्य में पुलिस आधुनिक तकनीक से लूट के प्रति स्मार्ट रहे और यही संदेश उन्होंने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) एवं पुलिस महानिरीक्षकों के सम्मलेन में दिया ..?

सभी राज्यों के डीजीपी पुलिस को बनाएं स्मार्ट : बोले मोदी..?

सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एवं पुलिस महानिरीक्षकों का दायित्व है कि पुलिस को अधिक स्मार्ट बनाने की पहल करें ताकि पुलिस साइबर क्राइम, डिजिटल धोखाधड़ी व एआई तकनीक के कारण बढ़ रहे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण कर सके। रविवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस एवं इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस के 59वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट और डीपफेक जैसे अपराधों का सामाजिक और पारिवारिक जीवन पर गंभीर असर पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के सम्मेलन में पुलिस के कामकाज में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाने और पुलिस कॉन्सटेबल पर काम का बोझ कम करने की सलाह दी। सम्मेलन के दौरान बांग्लादेश, म्यांमार सीमा पर उभरती सुरक्षा चिंताओं, शहरी पुलिसिंग और सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट का मुकाबला करने की रणनीति पर चर्चा हुई.साथ ही आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, साइबर अपराध, आर्थिक सुरक्षा, आव्रजन, तटीय सुरक्षा और नार्को-तस्करी सहित राष्ट्रीय सुरक्षा की उभरती चुनौतियों पर भी गहन विचार विमर्श हुआ। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ने 2014 में गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन में पेश किया था, इसमें भारतीय पुलिस को सख्त और संवेदनशील, आधुनिक और मोबाइल, सतर्क और जवाबदेह, विश्वसनीय और उत्तरदायी, तकनीक-प्रेमी और प्रशिक्षित (स्मार्ट) बनाने के लिए प्रणालीगत बदलावों की परिकल्पना की गई थी। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में 250 अधिकारी शामिल हुए, जबकि 750 ने वर्चुअली भाग लिया. वैसे पुलिस के ये सम्मेलन इसके पहले भी दिल्ली से बाहर गुवाहटी, पुणे, लखनऊ, जयपुर में आयोजित किए गए थे जो इस बार भुवनेश्वर में संपन्न हुआ। पहले दिन ग्रहमंत्री अमित शाह ने भी सम्बोधित किया।

राम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए खुलेगा अस्पताल, अपोलो के डॉक्टर देंगे सेवाएं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट ने राम भक्तों के लिए एक नई पहल शुरू की है। अब यदि श्रद्धालुओं को मंदिर परिसर में स्वास्थ्य संबंधित कोई समस्या होती है, तो उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं। अब राम मंदिर परिसर में अस्पताल खोला जाएगा, जिसका संचालन अपोलो संस्था द्वारा किया जाएगा। इस अस्पताल में अपोलो के चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे।

रोज मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 80 हजार से ज्यादा होती है और त्योहारों के दौरान यह संख्या बढ़ जाती है। दर्शनार्थियों को राम मंदिर में प्रवेश करने के लिए सुग्रीव किला से राम जन्मभूमि पथ तक करीब 1500 मीटर पैदल चलना पड़ता है। इस दौरान गर्मी या ठंड के कारण श्रद्धालु बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें उपचार की जरुरत होती है। अब राम जन्मभूमि परिसर में ही एक विशेष तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र

खोला जाएगा, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार की सुविधा दी जाएगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि अपोलो ग्रुप की ओर से राम जन्मभूमि परिसर में करीब 3000 स्क्वायर फीट में एक इमरजेंसी हेल्थ केयर सेंटर खोला जाएगा। इसका निर्माण शुरू हो गया है। अपोलो ग्रुप के डॉक्टर यहां पर अपनी सेवाएं देंगे। उन्होंने कहा कि अक्सर भीड़-भाड़ के कारण श्रद्धालुओं को इलाज की जरूरत पड़ जाती है, और कई बार मौसम के कारण भी उनकी सेहत खराब हो जाती है। ऐसे में राम मंदिर परिसर में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध होना श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत की बात होगी।

न्यूज ब्रीफ

स्वच्छता के साथ स्वास्थ्य में भी इंदौर को नंबर वन बनाने के संकल्प के साथ स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

इन्दौर। स्थानीय कबीटखेड़ी स्थित खाटू श्याम मंदिर परिसर में संस्था सच्चिदानंद साईं लोक कल्याण समिति द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व उपचार शिविर आयोजित किया गया। इसमें 1050 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर में स्वच्छता के साथ स्वास्थ्य में भी इंदौर को नंबर वन बनाने का संकल्प लिया गया। शिविर प्रभारी चंद्रकांत कुंजीर और सुरजीत सिंह वालिया ने बताया कि विशेषज्ञ डाक्टरों ने जांच की। दवा भी वितरित की गई। साथ ही 62 मरीजों का चयन आपरेशन के लिए किया गया।

उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग मंत्री श्री परमार आज इंदौर आएंगे

इंदौर। प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार मंगलवार 3 दिसम्बर को इंदौर आएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री परमार 3 दिसम्बर को प्रातः 11.30 बजे रेसीडेंसी कोठी पहुंचेंगे। वे दोपहर 12 बजे जीएसआईटीएस के सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके पश्चात वे दोपहर एक बजे जीएसआईटीएस इंदौर की साधारण सभा की बैठक लेंगे। मंत्री श्री परमार दोपहर 3 बजे अष्टांग आयुर्वेदिक कॉलेज सभागार में कॉलेज की साधारण सभा की बैठक लेंगे।

साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ जेसीआई का फाइट अगेंस्ट फ्राड देशव्यापी अभियान

इन्दौर। डिजिटल अरेस्ट के जरिए इन साइबर ठगोरो ने विगत दस माह में करीब 2140 करोड़ रुपये की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है मतलब ये साइबर ठगोरे इस तरीके से औसतन 214 करोड़ रुपये की ठगी हर माह कर रहे हैं। ये साइबर ठगोरे से ठगाए पीड़ितों में वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं की संख्या अधिक है। जूनियर चेम्बर इंटरनेशनल एलुमनी क्लब के झोन चेअरमैन जेसी डॉ अवनीश जैन के अनुसार वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के साथ देशभर में बढ़ रहे सायबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के खिलाफ पूरे देश में धोखाधड़ी से लड़ाई महा अभियान चलाया जाएगा जिसमें विभिन्न भाषाओं में लाखों निःशुल्क पुस्तिकाएं, 5 ऑडियो वीडियो सीरिज और हजारों प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पूरी श्रृंखला आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल इसे पायलट प्रोजेक्ट के रुप में मध्यप्रदेश से ही प्रारंभ किया जा रहा है।

विहिप की पांच दिवसीय समरसता यात्रा सम्पन्न

इन्दौर। संविधान दिवस पर विश्व हिन्दू परिषद द्वारा डॉ भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से सभी हिंदू एक हैं का संदेश देने के लिए आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान समरसता यात्रा का समापन जगन्नाथ जिले के महालक्ष्मी नगर में हुआ। सामाजिक समरसता अभियान के प्रांत प्रमुख मुकेश चौधरी के अनुसार पांच दिवसीय इस समरसता यात्रा के दौरान इंदौर की 27 सेवा बस्तियों की पदयात्रा के दौरान 19 संतों ने 85 परिवारों में विश्राम और अल्पाहार किया। यात्रा मार्ग में आने वाले भगवान वाल्मीकि, वीर गोगा देव, संत शिरोमणि रविदास जी के मंदिरों की पूजा अर्चना के साथ ही अंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर यात्रा निरंतर जारी रही। यात्रा अनुसूचित जाति के 3000 से अधिक परिवारों में जीवंत संपर्क बनाने और हिंदू एकता का संदेश देने में सफल रही ।

स्व. शुक्ला की स्मृति में वरिष्ठ एवं सक्रिय पत्रकारों का सम्मान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

छायाचित्र प्रतियोगिता के विजेता भी पुरस्कृत हुए

वरिष्ठ पत्रकार विद्याधर शुक्ला एवं ज्योतिषाचार्य ज्वालाप्रसाद शुक्ला की स्मृति में पांचवा पत्रकारिता सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्व. लक्ष्मणसिंह गौड़ स्मृति 'हमारा नया इंदौर' विषय पर आयोजित छायाचित्र प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

अभिनव कला समाज में आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्री सांसद शंकर लालवानी, विधायक मालिनी लक्ष्मणसिंह गौड़, पूर्व विधायक सत्यनारायण सत्तन, लेखक-विचारक डॉ. सुभाष खंडेलवाल एवं स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि स्वर्गीय शुक्लाद्वय ने अपनी कलम और बौद्धिकता से शहर में विशिष्ट स्थान बनाया। उनकी सकारात्मकता और दूरदृष्टि की आज भी मिसाल दी जाती है। अतिथियों ने सम्मानित होने वाले मीडियाकर्मियों का आव्हान किया कि वे अपनी कलम से शहर के विकास को नई दिशा देवें। उनका प्रयास रहे कि आँखों से निकलने वाले आंसू मुस्कान में तब्दील हो जाए।

सभी मीडियाकर्मियों को दिवंगत पत्रकारों की याद में उनके परिजनों द्वारा सम्मानित किया गया। प्रारम्भ में अतिथियों ने स्व. शुक्ला के चित्र पर माल्यार्पण कर समारोह का श्रीगणेश किया। समारोह की जानकारी कार्यक्रम संयोजक शैलेन्द्र शुक्ला ने दी। नवनीत शुक्ला ने आभार व्यक्त किया। अतिथियों को मांगीलाल चौहान, मनोहर लिम्बोदिया, राजेन्द्र गुप्ता, ओम दरबार एवं प्रवीण धनोतिया ने स्मृति चिन्ह भेंट किए।

वरिष्ठ पत्रकारों का अभिनन्दन : सर्वश्री कीर्ति राणा, ओमप्रकाश जैन, अशोक शिंदे, केके झा, राजेंद्र कोपरगांवकर, प्रदीप पंडित, योगेन्द्र जोशी, नारायण जोशी, पंकज पांडे, संजय व्यास, प्रवीण राठौर, एवं श्रद्धा चौबे।

सक्रिय पत्रकारों का सम्मान : सर्वश्री राहुल दुबे, अनिल कर्मा, लोकेश सोलंकी, वीरेंद्र वर्मा, वीरेंद्र रायकवार, उत्तम राठौर, सुनील नावरे, सुजीत यादव, राजेश पिपलोदिया, फिरोज खान, निहारिका शर्मा, सुरभि भावसार एवं रौशनी शर्मा।

ज्योतिष श्री सम्मान : सर्वश्री शशिकांत गुप्ते एवं बौद्धेश तिवारी

छायाचित्र प्रतियोगिता के विजेता : प्रथम पुरस्कार राजू पंवार, द्वितीय पुरस्कार, आशीष शर्मा एवं बंशी लालवानी, तृतीय पुरस्कार गोपाल वर्मा, जयेश मालवीय एवं विशाल चौधरी। प्रोत्साहन पुरस्कार मनीष शर्मा, धर्मेन्द्र चौहान, देवेन्द्र मालवीय एवं रवीन्द्र सेठिया। साहसिक कैमरामैन सम्मान : सर्वश्री डगलस रम्बाडिया एवं नीलेश करोसिया।

तमिल फिल्म बेटर टुमारो के निमार्ता शैलेन्द्र शुक्ला को विशेष सम्मान से नवाजा गया। श्री शुक्ला की फिल्म को हाल ही में सोलह अंतर्राष्टीय अवार्ड मिले हैं। श्री शुक्ला पूर्व में दिनदहाड़े, ओम शान्ति ओम, कृष्ण–अर्जुन आदि फिल्म भी बना चुके हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य एवं प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

क्लाईमेट मिशन के क्रियान्वयन में शा. कार्यालय भी सहभागी बनेंगे

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

शासकीय कार्यालयों में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए बिजली खपत में 20 प्रतिशत की कमी लाई जाएगी

इंदौर स्वच्छता में अव्वल रहने के साथ ही अब कार्बन उत्सर्जन को कम करने के क्षेत्र में भी अव्वल बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसको देखते हुए इंदौर शहर में क्लाईमेट मिशन प्रारंभ किया गया है। मिशन का पहला चरण 100 दिन का रहेगा। इस मिशन का पहला चरण जारी दिसम्बर माह से शुरू होकर आगामी मार्च माह तक चलेगा। इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए जिले के शासकीय विभागों के कार्यालय भी सहभागी बनेंगे। इन कार्यालयों में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए बिजली खपत में 20 प्रतिशत की कमी लाई जाएगी।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई बैठक में दी गई। बैठक में मिशन से जुड़े श्री चेतन सिंह सोलंकी ने मिशन के विभिन्न बिन्दुओं, उद्देश्यों और गतिविधियों के बारे में बताया। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल तथा श्रीमती ज्योति शर्मा, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य शासकीय विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि समय को देखते हुए कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए कारगर प्रयासों की जरूरत है। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए सभी शासकीय विभाग सहभागी बने। वे यह प्रयास करें कि अपने-अपने कार्यालयों में बिजली की खपत कम से कम 20 प्रतिशत कम हो। बताया गया कि अभियान के तहत ऊर्जा साक्षरता, बिजली की खपत में कमी लाने, व्यवहार में बदलाव लाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी।

मालवा चैंबर का बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ व्यापार एवं उद्योग जगत का भारी आक्रोशआक्रोश

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मालवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की कड़ी निंदा करते हुए भारत सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। चैंबर की कार्यकारिणी की आज हुई बैठक में इस मुद्दे पर गहन चर्चा हुई और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बांग्लादेश सरकार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाया जाए।

चैंबर के अध्यक्ष अजित सिंह नारंग और सचिव सुरेश हरियानी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ जो हो रहा है वह मानवता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को इस मामले में तत्काल कूटनीतिक पहल करनी चाहिए और बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाध्य किया जाना चाहिए।

चैंबर ने 4 दिसंबर को होने वाली सर्व हिंदू समाज की रैली का पूर्ण समर्थन किया है और इंदौर के सभी व्यापारी संगठनों से अपील की है कि वे इस दिन दोपहर 1 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। चैंबर ने इंदौर के सभी मॉल को भी इस आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है।

श्री नारंग और श्री हरियानी ने कहा कि यह समय एकजुट होकर हिंदू समाज के साथ खड़े होने का है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को इस मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

सीनियर सिटीजन के आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु जैन मंदिर छत्रपति नगर में शिविर आयोजित

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के सीनियर सिटीजन्स को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आज दिगंबर जैन विद्यार्थी सहायता समिति के सहयोग से दिगंबर जैन आदिनाथ मंदिर छत्रपति नगर में दो दिवसीय शिविर का शुभारंभ हुआ। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रथम दिन 20 सीनियर सिटीजन्स ने आयुष्मान कार्ड बनवाकर योजना का लाभ लिया। इस अवसर पर शिविर संयोजक डॉ जैनेंद्र जैन, जिनालय ट्रस्ट अध्यक्ष भूपेंद्र जैन, समिति के मंत्री विजय कासलीवाल, वीरेंद्र जैन, सुरेश जैन एवं श्रेणिक जैन उपस्थित थे।

रोजगार मेले के माध्यम से 139 युवक-युवतियों को मिली नौकरी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को एक छत के नीचे रोजगार और स्वरोजगार देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशन में जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई और जिला उद्योग केंद्र इंदौर के सामूहिक प्रयास से बुधवार को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नंदा नगर इन्दौर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। आयोजित रोजगार मेले में कुल 19 कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा 139 युवक-युवतियों का साक्षात्कार लेकर चयन किया गया। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि इस रोजगार मेले में कुल 423 युवाओं का पंजीयन हुआ। जिसमें से कुल 139 (107 युवक और 32 युवतियों) का कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रारंभिक रूप से चयन किया गया। कंपनियों द्वारा सेल्स एग्जीक्यूटिव, मार्केटिंग, टेलीकॉलर, बैक ऑफिस, ट्रेनी, रिसेप्शनिस्ट, वाहन चालक, फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, ऑपरेटर आदि पदों के लिए चयन किया गया आदि पदों के लिए चयन किया गया। जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी द्वारा स्वरोजगार के इच्छुक 45 आवेदकों को शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी/मार्गदर्शन दिया जाकर स्वरोजगार स्थापित किये जाने एवं प्रकरण तैयार करने हेतु प्रेरित किया गया। इसके अलावा शासन की अप्रे योजना अंतर्गत 15 आवेदकों का चयन कर कंपनी में भेजे गये। संभागीय आईटीआई के प्राचार्य श्री जी. एस. शाजापुरकर व जिला उद्योग केन्द्र की प्रबंधक श्रीमती आरती शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

विद्यासागर स्कूल के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दी रंगारंग प्रस्तुति

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

छत्रपति शिवाजी और संभाजी महाराज पर आधारित नाटक में हुई जय शिवाजी जय भवानी की गूंज

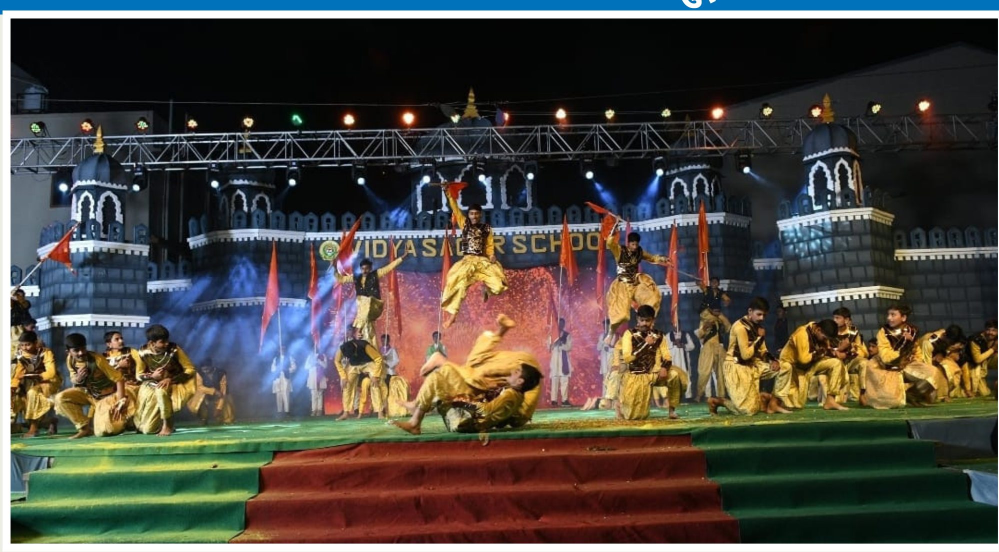

विद्यासागर स्कूल के वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों के द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई ।इस वार्षिक उत्सव में हर कक्षा के हर विद्यार्थी ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस वार्षिकोत्सव में स्वराज के प्रतीक छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके पुत्र संभाजी महाराज पर केंद्रित नाटक की विशेष प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति के दौरान जय शिवाजी जय भवानी की गूंज हुई।

विद्यासागर स्कूल का वार्षिक उत्सव समारोह के मुख्य अतिथि श्री एन. रघुरमन, एक कुशल लेखक, स्तंभकार, जीवन प्रशिक्षक और प्रबंधन गुरु का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम पटेल इंदौर विकास प्राधिकरण के पूर्व संचालक रघु परमार मौजूद थे । इस कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ ।

इस कार्यक्रम में विद्यासागर स्कूल में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के द्वारा एक से बढ़कर एक रंगारंग प्रस्तुति दी गई ।इस कार्यक्रम की विशेषता यह थी कि वार्षिक उत्सव के इस कार्यक्रम का संचालन भी स्कूल के विद्यार्थियों के द्वारा ही किया जा रहा था । स्कूल की प्राचार्य भावना पुजारी के द्वारा वार्षिक उत्सव के अवसर पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की गई , जिसमें उन्होंने कहा कि यह वार्षिक उत्सव का 33 वां वर्ष है ।हमने स्कूल के हर बच्चे को अपनी प्रतिभा को इस मंच पर आकर प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया है । यही कारण है कि विद्यार्थियों ने खुद ही अपने कार्यक्रम को डिजाइन किया और आज यहां प्रस्तुति दी । इस अवसर पर विद्यालय में 25 वर्षों से अधिक अरसे से शिक्षण कार्य कर रहे वरिष्ठ शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया ।

विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने वार्षिक उत्सव देखने के लिए पहुंचे सभी अभिभावकों का मन मोह लिया । विद्यालय के परिसर में खुले आकाश के नीचे आयोजित इस कार्यक्रम में दर्शकों की सुविधा के लिए साइड स्क्रीन भी लगाई गई थी । ठंडी हवा की बाजार के बीच उत्साह के साथ विद्यार्थियों के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी गई । स्कूल के विशाल परिसर में हजारों नागरिकों की मौजूदगी में जय शिवाजी जय भवानी की जोरदार गंज हुई । छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके पुत्र संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन किया गया ।इस नाटक को स्कूल के विद्यार्थियों ने ही तैयार किया ।इस नाटक के विभिन्न भूमिकाओं में विद्यालय के विद्यार्थी ही शामिल थे ।भारतीय इतिहास के महान योद्धा के रूप में शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज को याद किया जाता है ।उन्होंने मुगलों के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए स्वराज की रक्षा की थी ।पूरे देश में हिंदू वीर योद्धा के रूप में स्मरण किए जाने वाले वीर शिवाजी महाराज के जीवन के अनछुए पहलुओं को इस नाटक के माध्यम से जीवंत किया गया। शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी महाराज के द्वारा किस तरह से अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए स्वराज की रक्षा करने का कार्य किया गया और बलिदान दिया गया । इस नाटक को इतने जीवंत तरीके से प्रस्तुत किया गया कि नाटक के मंचन को देखने के लिए मौजूद हजारों नागरिकों में से कई की आंखें भर आई ।नाटक में प्रसंग के अनुसार कई बार जय शिवाजी जय भवानी का उद्घोष हुआ तो कई बार हर हर महादेव की गूंज हुई ।इस नाटक की प्रस्तुति के दौरान जीवंतता से प्रभावित दर्शकों ने तालियां की गूंज के साथ कलाकारों का हौसला बढ़ाया ।

बच्चों का भविष्य संवारना है तो उन्हें मोबाइल से दूर रखें- रघुरमन

प्रसिद्ध मैनेजमेंट गुरु रघु रमन ने वार्षिक उत्सव समारोह में अपने संबोधन में कहा है कि यदि हमें बच्चों का भविष्य संवारना है तो यह आवश्यक है कि उन्हें मोबाइल से दूर रखा जाए। दिनभर काम करने के बाद शाम को घर जाने पर अभिभावक भी मोबाइल चलाने के बजाय अपने बच्चों से बात करें । रघु रमन ने कहा कि अक्सर अभिभावक आकर यह शिकायत करते हैं कि बच्चे हमारी सुनते नहीं है। बच्चे मोबाइल के एडिक्ट हो गए हैं। बच्चों को हम अच्छा और संस्कारी बनाना चाहते हैं क्या करें ? मैं ऐसे हर अभिभावक से कहता हूं की बच्चों को ना कहना सीखिए। समस्या यह है कि बच्चा जो मांगता है हम उसे लाकर देते हैं। बच्चा जो चाहता है हम उस चाहत को पूरा करते हैं । हमें बच्चों को ना कहना सीखना होगा।

अपनी बात को विस्तार देते हुए उन्होंने कहा कि दिन के समय पर छोटे बच्चे घर में मां को परेशान करते हैं। ऐसे समय में बच्चों के साथ खेल कर उनका मन लगाने के बजाय मां उन्हें अपना मोबाइल दे देती है ताकि वह उसे परेशान नहीं करें। बच्चे भी मोबाइल मिलने के बाद मां को परेशान नहीं करते हैं और मोबाइल में लगे रहते हैं। यह सबसे गलत तरीका है। उन्होंने कहा कि कई देशों में यह कानून बन गया है कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। इस समय सोशल मीडिया सबसे ज्यादा प्रचलित मीडिया बन गया है। इसके जितने लाभ हैं उतने ही नुकसान भी है। हमें भी अपने बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने का काम करना होगा ।

विजय गावड़े मेरे मन में हारमोनियम पर गुजरे जमाने के बेहतरीन गीतों की प्रस्तुति देंगे

इन्दौर। स्थानीय जाल सभागृह में आगामी छह दिसंबर को शहर के वरिष्ठ संगीतज्ञ और मेंडोलिन तथा हारमोनियम वादक पंडित विष्णुभैया मुंगरे के शिष्य विजय गावड़े द्वारा मेरे मन में हारमोनियम पर गुजरे जमाने के बेहतरीन गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी। बता दें कि गावड़े शहर के संगीत क्षेत्र में उस दौर से वादन कर रहे हैं, जिस दौर में उनके निवास पर उस्ताद अमीर खां, मुनीर खां, सुलेमान खां और यूसुफ खां की महफिलें सजा करती थीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओंकारेश्वर पहुंचकर आदिगुरु शंकराचार्य की प्रतिमा के दर्शन किये

चरणबद्ध रूप से होगा एकात्म धाम को पूर्ण करने का कार्य

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर संभाग के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर पहुंचकर आदिगुरू शंकराचार्य की प्रतिमा के दर्शन किये। उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धा-सुमन अर्पित कर पूजन किया। बटूकों ने मंत्रोच्चारों के साथ पूजन विधि संपन्न कराई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदिगुरु शंकराचार्य जी के एकात्म अद्वेत अध्यात्म के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते एकात्म धाम को चरणबद्ध तरीके से पूर्ण करने के बात कहीं। इस अवसर पर आयोजित एकात्म धाम पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और एकात्म धाम परिसर में पुस्तक एवं कैलेंडर का विमोचन भी किया।

ओमकारेश्वर मंदिर में पूजन करते हुए मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि आदि गुरु शंकराचार्य अद्वितीय महापुरुष थे उन्होंने एकात्मवाद का अद्भुत संदेश जन जन तक पहुंचाया। सनातन धर्म की रक्षा एवं उसके सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार में उनकी अहम भूमिका रही है। कठिनाइयों और संघर्षों का सामना करते हुए वह अपने गुरु से दीक्षा लेने के लिए केरल से ओम्कारेश्वर आए। ऊँ की भी अद्भुत महिमा है। उन्होंने कहा कि गुरु की महत्ता अपने शिष्य की सफलता पर रहती है। अपने शिष्यों से गुरु की पहचान बनती है। अपनी गुरु दीक्षा को आदि गुरु शंकराचार्य ने अपने आचरण एवं कृतित्व से सार्थक किया। उन्होंने देश को नई दिशा दिखाई। आदिगुरु शंकराचार्य ज्ञान परंपरा के बड़े वाहक थे। ज्ञान पद्धति हमारे देश में अविरल बह रही है। आस्था एवं विश्वास से हम गुरु परंपरा में रह रहे है। आदि गुरु शंकराचार्य ने देश की चारों दिशाओं में पीठ की स्थापना कर एकता का बड़ा संदेश दिया है। संस्कृति की रक्षा के लिए साधु-संतों ने भी अहम भूमिका निभाई है। डॉ. यादव ने कहा कि संकल्पना के अनुसार एकात्म धाम को भव्य स्वरूप में चरणबद्ध रूप से पूर्ण किया जाएगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर दत्तात्रेय आश्रम पूज्य स्वामी श्री विवेकानंद पुरी जी ने कहा कि ओंकारेश्वर ममलेश्वर यह अद्वैत एकात्मक का धाम है। यह आदिगुरू शंकराचार्य और भारत को एक पहचान देने का केंद्र है। उन्होंने कहा ओंकारेश्वर आदिगुरू शंकराचार्य जी की दीक्षाभूमि और साधना स्थली रही है। ओंकारेश्वर को पांचवें पीठ के रूप में विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकात्म धाम एकात्मक का वैश्विक केंद्र पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का अवलोकन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ यादव को आदि शंकराचार्य जी की प्रतिमा का प्रतीक चिन्ह भेंट की गई। अंत में संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग, डीआईजी खरगोन रेंज श्री सिद्धार्थ बहुगुणा, कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, विधायकगण श्री नारायण पटेल, श्रीमती कंचन मुकेश तनवे तथा श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेडे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में साधु-संत मौजूद थे।

एकात्म धाम संबंधी बैठक में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे ओंकारेश्वर- हुआ आत्मीय स्वागत

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज एक दिवसीय भ्रमण पर इंदौर संभाग के खंडवा जिले के ओंकारेश्वर पहुंचे। हेलीपैड पर संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग, कलेक्टर श्री अनूप कुमार सिंह, विधायकगण श्री नारायण पटेल, श्रीमती कंचन मुकेश तनवे तथा श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेडे सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों ने स्वागत किया।

सालगिरह के दिन युवक ने लगाई फांसी, मौत

इन्दौर। फेब्रिकेशन का काम करने वाले एक युवक ने अपनी शादी की सालगिरह के दिन ही फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। वह अपनी पत्नी और सास ससुर द्वारा अलग रहने की जिद के चलते परेशान था। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन उसकी अपने ससुर से पांच बार मोबाइल पर बात हुई थी। इसके बाद उसने खुदकुशी की। मामला सदर बाजार थाना क्षेत्र का है। सदर बाजार थाना पुलिस के अनुसार मृतक का नाम कमल पिता सुभाष जाटवा उम्र पच्चीस साल निवासी ब्रहम्बाग कॉलोनी है। सूचना पर पहुंची पुलिस को सोमवार सुबह सात बजे उसके घर पर फंदे से लटका उसका शव मिला। मृतक के भाई गगन ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसके ससुर महेश, सास और पत्नी अंजली उसे अलग रहने के लिए दबाव बना रहे थे। इसके कारण वह तनाव में था। कल रात भी उसके अपने ससुर महेश से मोबाइल पर बात हुई थी। ससुर उससे लड़ रहे थे। 15 दिन पहले भी जब कमल पत्नी को लेना ससुराल गया तो ससुर और सास ने झगड़ा कर उसे वापस भेज दिया पत्नी अंजली को साथ नही भेजा। इसके बाद से ही वह तनाव में चल रहा था। कल देर रात करीब 12 बजे के करीब वह अपने कमरे में गया था इसके बाद ही उसने फांसी लगाई। तीन साल पहले 2 दिसंबर को ही उसकी शादी हुई थी। उसने सालगिरह के दिन ही फांसी लगाई ली थी। फिलहाल पुलिस को अभी उसके पास से किसी तरह का कोई सुसाइड नोट नही मिला है। पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा कार्रवाई शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

विधान सभा अध्यक्ष श्री तोमर का दौरा कार्यक्रम

इंदौर। मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर 03 दिसम्बर को दोपहर 1.30 बजे इंदौर आएंगे। वे यहां स्थानीय कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। कार्यक्रम के उपरांत वे दोपहर 4 बजे देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट पहुंचकर लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।

लॉरेंस विश्नोई के साथ जेल में रहे उसके गुर्गे सहित राजस्थान के तीन बदमाशों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

इन्दौर। राजस्थान के एक शराब कारोबारी का ट्रक हाईजैक करने के लिए जीप से इंदौर आएं गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के साथ पंजाब की जेल में रहे उसके एक गुर्गे सहित तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को तलाशी में इन तीनों के पास से एक एक पिस्टल और 6 जिंदा राउंड कारतूस मिले हैं। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि हथियारों से लेस तीन बदमाशों की एक गेंग हाईवे पर शराब का ट्रक लूटने के उद्देश्य से घूम रही हैं। तत्काल एक टीम तैनात कर इन्हें घेराबंदी कर धर लिया गया। गिरफ्तार बदमाश भूपेन्द्र सिंह सिंह रावत उम्र इकतीस वर्ष निवासी गोपाल सागर खरवा थाना ब्यावर, राजस्थान इस गैंग का सरगना है। यह 2017 में फरीदकोट पंजाब में अफीम के केस में गिरफ्तार होकर जेल पहुंचा था। जहां वह लारेंस विश्नोई के साथ एक ही सेल में रहा। लारेंस के नाम पर ही वसूली शुरू करने के बाद उसने इसे अपनी गैंग में शामिल कर लिया। इसके दो अन्य साथी है आदेश चौधरी उम्र छब्बीस साल निवासी सुभाष नगर थाना रामगंज अजमेर, राजस्थान और दीपक सिंह रावत उम्र अठ्ठाईस साल निवासी आदर्श नगर थाना रामगंज, अजमेर राजस्थान। डीसीपी के अनुसार इनके इंटरनेशनल हवाला रैकेट और जेल से गैंग ऑपरेट करने के साथ ही फर्जी सिम के रैकेट में शामिल होने की जानकारियां भी मिली हैं। इन पर राजस्थान, पंजाब, बिहार में डकैती, एनडीपीएस एक्ट, हत्या के प्रयास, अवैध वसूली और आर्म्स एक्ट के केस दर्ज हैं। भूपेन्द्र पर बिहार पुलिस ने 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। इसके पकड़ाने की सूचना पर बिहार पुलिस भी इंदौर पहुंच चुकी है। फिलहाल पुलिस ने पुलिस ने उनकी जीप भी जब्त कर तीनों को रिमांड पर ले पूछताछ शुरू कर दी है।

अचानक सीने में दर्द उठने के बाद युवक की मौत

इन्दौर। उज्जैन विवाह समारोह में शामिल होने गये इन्दौर के एक युवक की संदिग्धावस्था में मौत हो गई। सुबह बाथरूम जाने के दौरान उसके सीने में अचानक दर्द उठा जिसके बाद परिजन उसे अस्पताल ले गए वहां डाक्टरों ने उसे प्रारंभिक जांच में ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम धर्मेंद्र बैंडवाल निवासी पाटनीपुरा इंदौर ही। धर्मेंद्र अपनी पत्नी गायत्री, पुत्र हर्ष व पुत्री आयुषी के साथ परिचित की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने के लिए उज्जैन आया था और त्रिवेणी स्थित एक होटल में ठहरा था। रविवार तड़के करीब चार बजे धर्मेंद्र बाथरूम गया था। यहां उसे सीने में अचानक तेज दर्द होने लगा। पत्नी व अन्य लोग उसे चरक भवन लेकर पहुंचे थे। यहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई जा रही है। नानाखेड़ा थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच कार्रवाई शुरू कर दी है।

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD drugs के साथ 03 आरोपी गिरफ़्तार

आदतन आरोपियों के विरुद्ध पहले से पंजीबद्ध है चोरी, आर्म्स एक्ट जैसे कई गंभीर अपराध

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रयझविक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं।

इसी कड़ी क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा संदेहियो की तलाश एवं पतारसी इंदौर शहर में अलगझअलग स्थानो पर करते रेलवे क्रॉसिंग टफ्झ4 रोड बाणगंगा पर संदिग्ध कार दिखी, पुलिस टीम के द्वारा रोका और आरोपीयो को घेराबंदी कर पकड़ा और नाम,पता पूछने पर अपना नाम (1). शहजाद पिता चांद खा उम्र 49 साल निवासी चंदन नगर,इंदौर, (2). इदरीश खान पिता इस्तीखार, उम्र 34 साल निवासी गीतगनगर धार रोड इंदौर, (3). विष्णु लोधी पिता मांगीलाल निवासी अखंड नगर इंदौर का होना बताया। सभी संदिग्ध की नियमानुसार तलाशी लेते उनके पास अवैध मादक पदार्थ टऊ१४२ होना पाया गया जिसका लगभग कुल वजन 35 ग्राम होना पाया गया जिसके संबंध में पूछताछ करने पर आरोपीयो ने कोई उचित उत्तर नही दिया।

आरोपियों के कब्जे से लगभग 35 ग्राम अवैध मादक पदार्थ टऊउ१४२, स्विफ्ट कार, मोबाइल आदि जप्त कर, आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में धारा 8/22 ठउद्धर एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना में लिया गया है, जिसके आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं । आरोपी से अवैध मादक पदार्थों के स्त्रोत व नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है ।

‘हम होंगे कामयाब’ अभियान के अंतर्गत निकाली गई महिला सुरक्षा रैली

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्य शासन के दिशा निदेर्शानुसार इंदौर में ३हम होंगे कामयाब३ पखवाड़ा के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी के तहत इंदौर में आज कलेक्टर श्री आशीष सिंह की विशेष उपस्थिति में जेण्डर आधारित हिंसा उन्मूलन जागरूकता संबंधी महिला सुरक्षा रैली निकाली गई। यह रैली नेहरू स्टेडियम से रवाना होकर पुनः वहीं सम्पन्न हुई। रैली का शुभारंभ कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने झंडी दिखाकर किया। यह रैली जिला प्रशासन, पुलिस और महिला बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में निकाली गई। रैली में महिला एवं बालिकाओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव, ए.सी.पी. श्रीमती सीमा अलावा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री रामनिवास बुधौलिया, सहायक संचालक श्री जय श्रीवास्तव एवं श्री जय परिहार, प्रशासक वन स्टॉप सेंटर इंदौर एवं महू, समस्त परियोजना अधिकारी, सुपरवाइजर, आगंनवाडी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उक्त रैली नेहरु स्टेडियम से प्रारंभ होकर जी.पी.ओ., एम.वाय. अस्पताल, शिवाजी वाटिका से होकर नेहरु स्टेडियम में सम्पन्न हुई।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर दो अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवही- एक-एक माह का वेतन होगा राजसात

इंदौर जिले में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का होगा निराकरण

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर जिले में सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण के लिए अगले सात दिन तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में 50 दिन से अधिक अवधि के लंबित प्रकरणों के निराकरण को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि इस अवधि में सीएम हेल्पलाईन के अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी अपने-अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार लाए। हर विभाग की रैंकिंग 40 से अधिक नहीं हो। 40 से अधिक रैंकिंग आने पर संबंधित विभाग के अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

आज यहां कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा के पत्रों के निराकरण(टीएल) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल तथा श्रीमती ज्योति शर्मा, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री राजेन्द्र रघुवंशी, श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर दो अधिकारियों के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा दिए गए। कलेक्टर श्री सिंह ने सामाजिक न्याय विभाग की संयुक्त संचालक श्रीमती सुचिता बेक तिर्की तथा श्रम विभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती मेघना भट्ट का एक-एक माह का वेतन राजसात करने के निर्देश दिए। साथ ही लोक सेवा ग्यारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण नहीं करने पर बिचौली क्षेत्र की तहसीलदार श्रीमती अंकिता वाजपेयी के विरूद्ध पेनल्टी लगाने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाईन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में जन समस्याएं आती है। इनका निराकरण समय-सीमा में होना अत्यंत जरूरी है। जनता से जुड़ी समस्याओं के निराकरण को विशेष प्राथमिकता दी जाए। सभी अधिकारी प्रतिदिन सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों को देखें और उसी दिन निराकरण की प्रक्रिया प्रारंभ करें। एक भी आवेदन नान अटेंड नहीं रहे। अगर एक भी शिकायत ऐसी मिलती है जिसमें कोई भी कार्रवाई नहीं हुई है तो संबंधित अधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। सीएम हेल्पलाईन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही और उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध भी सख्त कार्रवाई की जायेगी।

न्यूज ब्रीफ

भोपाल गैस कांड के 40 साल बाद भी दर्द बरकरार

भोपाल। भोपाल गैस कांड को 40 साल हो गए, 2 दिसंबर 1984 की रात 8:30 बजे से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की हवा धीरे धीरे जहरीली होनी शुरू हो गई थी। जैसे जैसे रात बीती वैसे वैसे अस्पतालों में मरीजों की भीड़ इकट्ठ होने लगी। सुबह तक तो राजधानी कब्रिस्तान में तब्दील हो गई। भोपाल गैस त्रासदी की गिनती सबसे खतरनाक औद्योगिक दुर्घटना में होती है। इसमें न जाने कितनों की जानें गई, कितने अपंग हो गए। इस बात का कोई सटीक आंकड़ा नहीं है। सरकारी आंकड़ों की बात करें तो, 15 हजार से 20 हजार लोगों ने अपनी जानें गवाइ थी। जिसका दंश आज भी दिखाई पड़ता है। कारण था यूनियन कार्बाइड की फैक्ट्री से मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का लीक होना। गैस के लीक होने की वजह थी टैंक नंबर 610 में जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का पानी से मिल जाना। इससे टैंक में दबाव बन गया और वो खुल गया। फिर इससे निकली वो गैस, जिसने हजारों की जान ले ली और लाखों को विकलांग बना दिया।

घंटों बाद बचा था अलार्म- इस तरह के हादसे के लिए भोपाल तैयार नहीं था। जानकार बताते हैं कि उस समय फैक्ट्री का अलार्म सिस्टम भी घंटों तक बंद रहा था। जबकि उसे बिना किसी देरी के ही बजना था। जैसे-जैसे रात बीत रही थी, अस्पतालों में भीड़ बढ़ती जा रही थी। लेकिन डॉक्टरों को ये मालूम नहीं था कि हुआ क्या है? और इसका इलाज कैसे करना है?

मुख्य आरोपी ऐसे भगा की आज तक लौट कर नहीं आया- हादसे का मुख्य आरोपी वॉरेन एंडरसन इस कंपनी का सीईओ था। जिसे 6 दिसंबर 1984 को गिरफ्तार भी किया गया, लेकिन अगले ही दिन 7 दिसंबर को उसे सरकारी विमान से दिल्ली भेजा गया और वहां से वो अमेरिका चला गया। इसके बाद एंडरसन कभी भारत लौटकर नहीं आया। कोर्ट ने उन्हें फरार घोषित कर दिया था। 29 सितंबर 2014 को फ्लोरिडा के वीरो बीच पर 93 साल की उम्र में एंडरसन का निधन हो गया।गैस लीक होने के 8 घंटे बाद भोपाल को जहरीली गैस के असर से मुक्त मान लिया गया था, लेकिन 1984 में हुई इस दुर्घटना से मिले जख्म 40 साल बाद भी भरे नहीं हैं।

दुआ-ए-खास के साथ इज्तिमा का समापन

भोपाल। भोपाल में चल रहे चार दिवसीय आलमी तब्लीगी इज्तिमा का समापन सोमवार सुबह दुआ-ए-खास के साथ हुआ। 9 बजे शुरू हुई दुआ से पहले, फजर की नमाज हुई, जिसके बाद मौलाना सआद का खास बयान हुआ। इस दौरान उन्होंने जमातों में निकलने वाले लोगों को इस सफर के दौरान अपनाए जाने वाले अखलाक, रखे जाने वाले ख्याल और किए जाने वाले कामों के बारे में बताया। इज्तिमा प्रबंधन के अनुसार, दुआ के बाद इज्तिमा से लगभग 2,000 जमातें देशभर के अलग-अलग हिस्सों के लिए रवाना होने लगी हैं। ऐसे में पुराने भोपाल की सडकों पर भारी ट्रैफिक रहेगा। पुराने भोपाल से इज्तिमा स्थल की ओर आवागमन करने वाले मार्गों, जैसे - मुबारकपुर से पटेल नगर नया बायपास, गांधी नगर से अयोध्या नगर बायपास, रत्न ागिरी, लाम्बाखेड़ा से करोंद, भोपाल टॉकीज, पीरगेट, मोती मस्जिद, रॉयल मार्केट, लालघाटी चौराहा, नादरा बस स्टैंड, भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन, अल्पना तिराहा, भारत टाकीज, बोगदा पुल आदि क्षेत्रों में भारी संख्या में जनसमुदाय और वाहनों की आवाजाही के कारण यातायात दबाव देखने को मिला।

इज्तिमा के आखिरी दिन करीब 4 लाख लोग पहुंचे- इज्तिमा के पहले तीन दिन में करीब 8 लाख लोग इज्तिमा में शामिल हुए। वहीं आखिर दिन करीब 4 लाख लोग इज्तिमा गाह पहुंचे। ऐसे में इस साल कुल 10 लाख से ज्यादा लोगों के शामिल होने का अनुमान है। इज्तिमा में मेट्रो निर्माण का काम रुकावट नहीं बने, इसलिए भोपाल टॉकीज से करोंद तक के एरिया में बैरिकेडिंग भी कम कर दी गई।

हिसाब दो जवाब दो अभियान चलाएगी कांग्रेस

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस 16 दिसंबर को बड़ा प्रदर्शन करेगी। एमपी सरकार के एक साल पूरे होने पर हिसाब दो, जवाब दो अभियान चलाएगी। ब्लॉक लेवल पर पार्टी प्रदर्शन करेगी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार के कामकाज का सदन में जवाब मांगेंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार के एक साल पूरे होने पर निशाना साधा हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नाव में खुद सरकार के लोग एक दिन छेद करेंगे। सरकार के मुखिया मौन है। पिछले मुख्यमंत्री को सडक पसंद, मौजूद मुख्यमंत्री को डायनासुर के अंडे पसंद है, लेकिन कोई भी विकास की बात नहीं करता है। उमंग सिंघार ने पूछा कि जो एमओयू साइन हुआ क्या वो जमीन पर उतरा? हालात ये हो गए कि सरकार को कर्जा तक नहीं मिल रहा है। वहीं नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि कांग्रेस पार्टी 16 दिसंबर को विधानसभा का घेराव करेगी। ब्लॉक लेवल पर पार्टी प्रदर्शन करेगी। सरकार के एक साल के कामकाज को लेकर हल्ला बोला जाएगा। वहीं पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश के आर्थित स्थिति को लेकर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है।

आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करे सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सरकार के एक साल पूरे होने को है। इस मौके पर जहां सरकार अपनी तमाम उपलब्धियां गिना रही है तो वहीं दूसरी तरफ विपक्ष के नेता नाकामियां उजागर कर रहे हैं। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने हमला बोला है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने भी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि सरकार को विधानसभा में प्रदेश के आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। पटवारी ने आगे कहा, अलग-अलग विभागों की 73 योजनाओं को बंद किया गया। वहीं पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह के मसले को लेकर भी सरकार को घेरा और कहा कि सरकार के असली चेहरे का जवाब उनके मंत्री विधायक खुद दे रहे हैं। अपनी ही सरकार पर भूपेंद्र सिंह को भरोसा नहीं है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार की नाव में खुद सरकार के लोग एक दिन छेद करेंगे। सरकार के मुख्यमंत्री मौन हैं। उन्होंने कहा कि पिछले मुख्यमंत्री को सडक पसंद, मौजूद मुख्यमंत्री को डायनासोर के अंडे पसंद हैं, लेकिन लेकिन कोई विकास की बात नहीं करता है। नेता प्रतिपक्ष ने हमला बोलते हुए कहा कि जो एमओयू साइन हुआ क्या वो जमीन पर उतरा? हालात ये हो गए सरकार को कर्जा तक नहीं मिल रहा है। सोयाबीन और धान के दाम अब तक नहीं बढ़े। किसान आज खाद के लिए परेशान है।

खाद के लिए यूक्रेन में युद्ध का बहाना- उमंग सिंघार ने खाद के मसले को लेकर भी सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि ब्राजील, अमेरिका, मेक्सिको जाते तो किसानों को खाद मिलता, जहां से खाद आयात किया जाता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध का सरकार बहाना बनाती है, लेकिन दूसरे देश भी लाया जा सकता है। वहीं सिंघार ने सवाल पूछते हुए कहा कि सोयाबिन का भाव 6 हजार कब मिलेगा? रात के अंधेरे में प्रदेश में ट्रांसफर होते हैं।

4 को जंगल में छोड़े जाएंगे अग्नि और वायु चीते

एजेंसी

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क के बड़े बाड़े में बंद चीतों को खुले जंगल में छोड़ने का समय नजदीक आ गया है। अंतरराष्ट्रीय चीता दिवस (चार दिसंबर) पर नर चीता अग्नि और वायु को बाहर छोड़ा जाएगा। इसकी तैयारी कर ली गई है। चीतों को छोड़ने के दौरान चीता स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों के साथ कूनो पालपुर के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। पहले चीतों को जोड़े में छोड़ने की योजना थी लेकिन फिलहाल नर चीतों को छोड़ा जाना तय किया गया है। इसके साथ ही अब पर्यटकों को चीते खुले जंगल में दिखाई देने की संभावना बढ़ जाएगी। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार एक चीता के लिए करीब 100 वर्ग किमी क्षेत्र की जरूरत होती है। कूनो के जंगल का क्षेत्र करीब 1200 वर्ग किमी का है। इसमें 748 वर्ग किमी मुख्य जोन में और 487 किमी बफर जोन में है। एक मार्च, 2023 को पहली बार चीता पवन व आशा को खुले जंगल में छोड़ा गया था। इसके कुछ ही दिन बाद चीता गौरव (एल्टन) और शौर्य (फ्रेडी) को छोड़ा गया था। इस दौरान कई बार चीते राजस्थान और मप्र के दूसरे जिलों तक पहुंच गए। इन्हें ट्रैंकुलाइज करके वापस कूनो में लाया गया। चीतों विशेषज्ञों का कहना है कि चीतों को बार-बार ट्रैंकुलाइज नहीं किया जाना चाहिए।

मार्च 2023 में पहली बार खुले जंगल में छोड़े गए थे चीते

कूनो में 12 में से सात नर और पांच मादा शावक

कूनो के बड़े बाड़े में मौजूद कुल 12 शावकों के लिंग की पहचान हो गई है। इनमें सात चीता शावक नर हैं और पांच मादा। एक निश्चित उम्र के बाद ही चीता में लिंग निर्धारण हो पाता है। भारत की धरती पर चार मादा चीतों ने 19 शावकों को जन्म दिया। इसमें से अब तक सात की मौत हो गई।

संक्रमण से हो गई थी एक चीते की मौत

कॉलर आईडी की रगड़ से गर्दन में हुए संक्रमण से एक चीते की मौत के बाद बाहर घूम रहे सभी चीतों को बाड़े में बंद कर दिया गया। इन्हीं कुछ आशंकाओं की वजह से चीतों को खुले जंगल में छोड़ने पर निर्णय लंबे समय से टल रहा था। चीतों को खुले जंगल में छोड़ने से पहले तय किया गया कि चीतों का मूवमेंट जिस राज्य या जिले में होगा तो उसके भोजन और निगरानी की जिम्मेदारी संबंधित वनमंडल की होगी। 29 नवंबर को राजस्थान के रणथंभौर में हुई बैठक में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा बनाई गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पर सहमति बनी और इन्हें खुले जंगल में छोड़ने की तिथि चार दिसंबर तय कर दी गई। बैठक में तीनों राज्यों में 1500 से 2000 वर्ग किमी का चीता कारिडोर बनाए जाने पर भी चर्चा हुई।

एमएसपी 2300 रुपए प्रति क्विंटल, शिकायत के लिए नंबर जारी

प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी शुरू

45 लाख मीट्रिक टन होगी धान की खरीदी

एजेंसी

भोपाल। प्रदेश में खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये धान की खरीदी सोमवार से शुरू हो गई है। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 और धान ग्रेड-ए का 2320 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों की एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि धान का उपार्जन 2 दिसम्बर से 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा।

केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 45 लाख मीट्रिक टन की जायेगी। गोदाम स्तर पर खाद्यान्न की गुणवत्ता का परीक्षण उपार्जन एजेंसी के गुणवत्ता सर्वेयर द्वारा स्टेक लगाने के पहले किया जायेगा। परिवहनकर्ता द्वारा उपार्जित खाद्यान्न का परिवहन समय-सीमा में नहीं करने पर पेनाल्टी की व्यवस्था साप्ताहिक रूप से की जायेगी। समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के बाद भुगतान, कृषक पंजीयन के दौरान आधार नम्बर से लिंक बैंक खाते में किया जायेगा। धान उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से उपार्जन केन्द्र पर लायी जाने वाली उपज की अवैध बिक्री को रोकने के लिये समुचित कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं।पंजीयन एवं उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिये जिले में और राज्य स्तर पर भी तकनीकी सेल का गठन किया गया है। जिला स्तरीय समिति उपार्जन संबंधी सभी विवादों का अंतिम निराकरण तथा उपार्जित खाद्यान्न की गुणवत्ता की निगरानी करेगी। राज्य स्तर पर एक कंट्रोल-रूम भी स्थापित किया गया है। इसका दूरभाष नम्बर 0755-2551471 है, जो उपार्जन अवधि में सुबह 9 से रात 7 बजे तक संचालित रहेगा। नमी जांचने के बाद धान लेकर सीधे उपार्जन केंद्र से ही मिलिंग के लिए मिर्लस को दी जाएगी। इससे परिवहन और भंडारण व्यय में कमी आने के साथ मिलिंग भी समय पर होगी। भारतीय खाद्य निगम ने मिलिंग के लिए अंतिम सीमा जून रखी है। उपार्जन के दौरान या उसके बाद होने उपार्जन में होने वाली गड़बडियों को रोकने के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, प्रमुख सचिव रश्मि अरुण शमी और आयुक्त सिबि चक्रवर्ती औचक निरीक्षण करेंगे।

ऑनलाइन निगरानी की व्यवस्था बनाई गई

खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सामान्य किस्म की धान 2,300 और ग्रेड ए धान का समर्थन मूल्य 2,320 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीदी जाएगी। गुणवत्तायुक्त उपज का ही उपार्जन हो, इसके लिए ऑनलाइन निगरानी की व्यवस्था बनाई गई है। राज्य और जिला स्तर पर उपार्जन पोर्टल पर दर्ज होने वाली उपज संबंधी जानकारी के आधार पर आकलन किया जाएगा। यदि उपज में कचरा, टूटन या नमी अधिक होती है तो उसे लौटा दिया जाएगा। जब किसान उपज ठीक कराकर निर्धारित मापदंड के अनुसार लाएगा, तब ही उसे स्वीकार किया जाएगा। दरअसल, धान किसान से लेने के बाद उसे चावल बनाने के लिए मिलर्स को दी जाती है। उस समय कई बार नमी, कचरा और टूटन अधिक होने की शिकायत सामने आती है। ऐसी उपज मिलर्स नहीं लेते हैं क्योंकि प्रति क्विंटल धान से 67 किलोग्राम चावल लिया जाता है। जब यह मात्रा नहीं मिलती है तो मिलर्स को नुकसान होता है। यही कारण है कि इस बार गुणवत्तायुक्त उपज की खरीदी पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी उपार्जन केंद्रों पर नमी की जांच करने के लिए नमी मापक यंत्र (मायश्चर मीटर) रखे जाएंगे।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ का संपर्क अभियान शुरू

पहले दिन भोपाल और सीहोर में कर्मचारियों से संपर्क

एजेंसी

भोपाल। भारतीय मजदूर संघ की ताकत बढ़ाने का संपर्क अभियान सोमवार से शुरू हो गया है। पहले दिन मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने भोपाल और सीहोर में उन कर्मचारियों, श्रमिकों से संपर्क किया, जो अब तक किसी भी संघ के साथ नहीं हैं। उन्हें भारतीय मजदूर संघ की रीति नीति, ताकत और इतिहास बताया। यह अभियान 15 दिसंबर तक चलेगा।

संघ के प्रवक्ता डॉ. अनिल भार्गव ने बताया कि सोमवार को भोपाल में भारत माता चौराहे से रोशनपुरा चौराहे तक रहने वाले श्रमिकों से मिलकर बात की। उन्हें भारतीय मजदूर संघ का इतिहास और रीति-नीति बताई। उनसे संघ से जुड़ने का आव्हान किया। वहीं सीहोर पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव, महामंत्री जितेंद्र सिंह, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. अनिल भार्गव, प्रदेश सह कार्यालय मंत्री डॉ. वीरेंद्र चौरसिया, भोपाल के जिला संयोजक जितेंद्र शाक्य ने कर्मचारियों से सघन संपर्क कर भारतीय मजदूर संघ और मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ की रीति नीति से अवगत कराया और उनकी समस्याओं को भी ध्यान में रखकर उनका हल करने का आश्वासन दिया। अभियान लगातार 15 दिन सुबह-शाम चलेगा, इस दौरान श्रमिकों और कार्यालयीन समय में कर्मचारियों से संपर्क किया जाएगा।

मप्र लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ की बैठक 8 को

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ की प्रांतीय बैठक 8 दिसंबर को गीतांजलि चौराहा स्थित कर्मचारी भवन में आयोजित की जाएगी। जिसमें संघ के प्रांतीय, संभागीय, जिला, तहसील एवं विकास खंड स्तर तक के सभी पदाधिकारियों को बुलाया गया है। इस बैठक में आंदोलन की रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। संघ के अध्यक्ष एमपी द्विवेदी ने बताया कि राज्य सरकार से लंबे समय से मंत्रालय के कर्मचारियों के समान समयमान वेतनमान, सहायक ग्रेड-3 का ग्रेड-पे 1900 से बढ़ाकर 2400 करने, अनुकंपा में नियुक्त कर्मचारियों के लिए सीपीसीटी परीक्षा में सरलीकरण करने और जिन सहायक ग्रेड-3 कर्मचारियों की सेवाएं सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण नहीं होने के कारण समाप्त कर दी गई हैं, उनकी सेवाएं बहाल करने की मांग की जा रही हैं। पर सरकार मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। इसलिए अब आरपार की लड़ाई होगी। द्विवेदी ने बताया कि बैठक में सभी मुद्दों पर चर्चा होगी। यह भी बात करेंगे कि लंबित मांगों के निराकरण के लिए सरकार से एक बार फिर से चर्चा की जाए या नहीं।

राजधानी में बनेगी साइबर सिटी

एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की तैयारी

एजेंसी

भोपाल। मप्र सरकार का पूरा फोकस औद्योगिक विकास पर है। सरकार प्रदेश के हर क्षेत्र में एक समान विकास के फॉमूर्ले पर काम कर रही है। इसी कड़ी में एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन राजधानी भोपाल में साइबर सिटी बनाने की योजना पर काम कर रहा है। इसे सीहोर रोड पर बैरागढ़ कलां में 29.132 हेक्टेयर क्षेत्र में आकार दिया जाएगा। इन प्रोजेक्ट्स से प्रदेश में न केवल हजारों करोड़ का निवेश आएगा, बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकेगा।

एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की तैयारी के अनुसार हरियाणा के गुरुग्राम की तर्ज पर राजधानी में भी साइबर सिटी बनाई जाएगी। देश-विदेश की बड़ी आईटी कंपनियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए यहां इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इस औद्योगिक क्षेत्र में आईटी पार्क बनाया जाएगा। गुजरात के सूरत और पश्चिम बंगाल के हावड़ा की तरह जेम्स एंड ज्वेलरी पार्क भी यहां डेवलप करने की योजना है। इन प्रोजेक्ट्स से प्रदेश में न केवल हजारों करोड़ का निवेश आएगा, बल्कि बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकेगा।

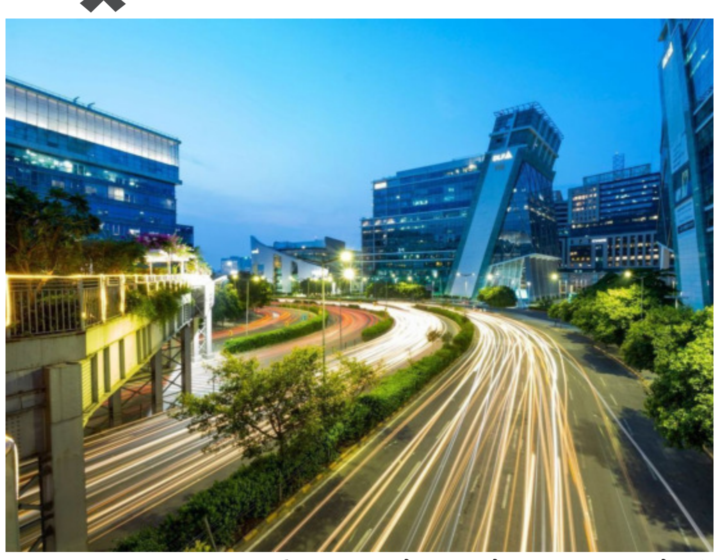

डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जा रही

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा साइबर सिटी कीडिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जा रही है। कॉर्पोरेशन ने शुरूआती तौर पर इस योजना को पूरा करने के लिए दिसंबर, 2028 तक का लक्ष्य रखा है। कॉरिशन इसके साथ ही भोपाल जिले में रेडीमेड गारमेंट कॉम्पलेक्स विकसित करने की तैयारी कर रहा है। यह सतगढ़ी में 69.60 हेक्टेयर में बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट अभी शुरूआती स्टेज में है। डीपीआर बना कर लागत आदि का अनुमान लगाया जा रहा है। एमपीआईडीसी ने रेडीमेड गारमेंट कॉम्पलेक्स की योजना को भी आकार देने के लिए दिसंबर, 2028 की समय सीमा तय की है। वहीं भोपाल में अभी अचारपुरा और बगरोदा में औद्योगिक क्षेत्र हैं। पास में मंडीदीप इंडस्ट्रियल एरिया है। अब राजधानी के पास एक और औद्योगिक क्षेत्र विकासित किया जा रहा है। शहर से सटे बैरसिया में उद्योगों के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं विकसित की जा रही है। कॉर्पोरेशन 33.81 हेक्टेयर क्षेत्र में इंडस्ट्रियल एरिया बना रहा है। इस पर 30.97 करोड़ रूपए खर्च होने का अनुमान है। यह बहुउद्देशीय औद्योगिक क्षेत्र होगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस एरिया में 1500 करोड़ रूपए का निवेश आएगा और उद्योगों से तीन हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

एक-एक हजार करोड़ केंद्र से मिलेंगे, बाकी खुद जुटाएंगे- जबलपुर टेक्सटाइल एंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित करने पर 3727.16 करोड़ रूपए खर्च होने का अनुमान है। निजी निवेश के जरिए इसमें से 1743.39 करोड़ ठेका जुटाने की प्लानिंग है। राज्य शासन 983.78 करोड़ रूपए का निवेश करेगा। वहीं पीथमपुर में स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप की योजना 2422.23 करोड़ रूपए की है। यहां उद्योगों, व्यवसाय, स्कूल, हॉस्पिटल व होटलों के लिए लैंड पार्सल विकसित कर लीज पर दिए जाएंगे। इससे 1257.67 करोड़ रूपए मिलने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप से प्रोजेक्ट किए जाएंगे। यह 122.79 करोड़ रुपए का रेवन्यू देंगे।

इंडस्ट्रियल टाउनशिप पर भी काम

प्रदेश में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। पीथमपुर में स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप और जबलपुर में टेक्सटाइल व लॉजिस्टिक पार्क बनाने की प्लानिंग है। इन प्रोजेक्ट्स पर 5959.29 करोड़ पर खर्च होने का अनुमान लगाया गया है। योजनाओं के आकार लेने पर 50 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकेगा। स्मार्ट सिटी के बाद केंद्र सरकार ने ग्रीनफील्ड सिटी चैलेंज लॉन्च किया है। इसके तहत शहर के उस हिस्से में विस्तार और विकास किया जाना है, जहां हरियाली व खेत हों। खास बात यह है कि इस योजना में देश में केवल 8 शहरों का चयन किया जाना है। पीथमपुर में सेक्टर 7 का चयन स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने के लिए किया गया है। इसे 1268 हेक्टेयर भूमि पर आकार दिया जाएगा। इसमें 863.06 हेक्टेयर पर औद्योगिक और 405 हेक्टेयर पर आवासीय विकास किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

परिवार में खाया कोदो, पूरा परिवार अस्पताल में भर्ती, दो की हालत गंभीर

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले में कोदो बाजरा खाने के बाद एक परिवार के तीन सदस्य बीमार हो गए। यह घटना बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में फंगस से संक्रमित कोदो खाने के कारण 10 हाथियों की मौत के एक महीने बाद हुई है। बताया जा रहा है कि वाल्मीकि साकेत और रामदुलारी साकेत, इन दोनों लोगों के अलावा उनके बेटे अक्षय लाल को शनिवार को तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे मनगंवा गांव के निवासी हैं। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि बुजुर्ग मरीजों की हालत गंभीर है, लेकिन उनके बेटे की हालत में सुधार है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने कोदो खाया था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी। वे उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर अस्पताल आए थे। बता दें अक्टूबर के अंत और नवंबर की शुरूआत में बीटीआर में 10 हाथियों की मौत हो गई थी। रिपोर्ट में पाया गया था कि हाथियों के नमूनों में विषाक्त पदार्थ पाए गए थे, जो संकेत देते हैं कि उन्होंने बड़ी मात्रा में कोदो खाया था, जो एक फंगस से संक्रमित था। तब से सरकारी विभाग फंगल संक्रमण के प्रसार की सीमा का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। मामले को लेकर जांच की जा रही है।

वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए बनेगा वन्यप्राणी कारिडोर

भोपाल। मप्र में वन्यजीवों की मौत और उनका शिकार बड़ी समस्या बना हुआ है। सरकार की कोशिशों के बावजूद परिणाम सकारात्मक नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए वन्यप्राणी कॉरिडोर बनाने की तैयारी चल रही है। इस कॉरिडोर की सुरक्षा आधुनिक तकनीक, ड्रोन और शस्त्रों से सुरक्षा की जाएगी। जानकारी के अनुसार जंगलों में वन्यजीवों के बीच मानव दखल न हो, इसके लिए राज्य सरकार पांच सौ गांवों को वन्यप्राणी बहुल वनक्षेत्र से बाहर करेगी। इसके लिए वन विभाग ने विकसित भारत 2047 विजन डाक्यूमेंट में अपना एक्शन प्लान तैयार किया है। इसके तहत वन विभाग राज्य के समस्त संरक्षित वन क्षेत्रों एवं वन्यप्राणी बहुल क्षेत्रों में बसे 500 गांवों को उनकी सहमति से विस्थापित करेगा। इसके अलावा, संरक्षित वन क्षेत्रों को आपस में जोडकर वन्यप्राणी कारिडोर बनाया जाएगा।

आधुनिक उपकरणों एवं तकनीक के उपयोग- विकसित भारत के विजन डाक्यूमेंट के अनुसार आधुनिक उपकरणों एवं तकनीक के उपयोग से वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। इसके तहत रेंज अधिकारी आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित होंगे। रेंज अधिकारियों को ड्रोन तथा आधुनिक शस्त्रों, वाहनों से सुसज्जित किया जाएगा, जिससे अवैध कटाई एवं चराई, अतिक्रमण, अवैध खनन एवं वन अग्नि पर पूर्ण नियंत्रण हो सकेगा। प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यानों एवं अभयारण्यों में सक्रिय प्रबंधन के माध्यम से वन्यजीवों का पुनर्स्थापन एवं प्रबंधन किया जाएगा। वर्ष 2047 तक ईको टूरिज्म के कम से कम 500 गंतव्य स्थलों को चिन्हित कर उन्हें विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। टाइगर रिजर्व क्षेत्रों के आसपास के गंतव्य स्थलों में कम से कम 500 होम स्टे की व्यवस्था की जाएगी जिससे स्थानीय वन वासियों का रोजगार सृजन हो सके। इसे ग्लोबल स्तर पर प्रचारित किया जाएगा, जिससे मप्र में विदेशी पर्यटन बढ़े।

हेवी मेटल और आर्गनो क्लोरीन मिला पानी पी रहे लोग

भोपाल। भोपाल गैस त्रासदी में अपनों को गवां चुके लोग 40 साल बाद भी यूनियन कार्बाइड के दुस्प्रभाव की चपेट में हैं। जहरीला कचरा यूनियन कार्बाइड परिसर में आज भी दफन है। इस कारण भूजल प्रदूषित होने की बात सत्यापित हो चुकी है। यानी आज भी लोग हेवी मेटल और आर्गनो क्लोरीन मिला पानी पी रहे हैं। वर्ष 2018 में इंडियन इंस्टीट्यूट आफ टाक्सिकोलाजी रिसर्च लखनऊ की रिपोर्ट में यह तथ्य सामने आ चुका है। रिपोर्ट के अनुसार यूनियन कार्बाइड परिसर के आसपास की 42 बस्तियों के भूजल में हेवी मेटल, आर्गनो क्लोरीन पाया गया था, जो कैंसर और किडनी की बीमारी के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इसके बाद इस क्षेत्र में नर्मदा जल की आपूर्ति सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर की जा रही है। आशंका है इन कालोनियों के अतिरिक्त प्रदूषित भूजल आगे पहुंच गया हो पर वर्ष 2018 के बाद जांच ही नहीं कराई गई। गैस पीड़ित संगठन के कार्यकताओं का दावा है कि रैपिड किट से उन्होंने इनके अतिरिक्त कारखाने की साढ़े तीन किमी की परिधि में आने वाली 29 अन्य कालोनियों में भी जांच की तो आर्गनो क्लोरीन मिला है, पर कितना मात्रा में है इसकी जांच बड़े स्तर पर सरकार द्वारा कराने की आवश्यकता है।

कटनी राइस मिलर्स का फंसा 100 करोड़ का भुगतान

सीएम मोहन यादव से करेंगे मुलाकात, सौंपेंगे मांग-पत्र

एजेंसी

भोपाल। कटनी में 2 वर्षों से धान मिलिंग की राशि न मिलने से राइस मिलर्स नाराज चल रहे है। उन्होंने मिलिंग से जुड़े भुगतान और अपग्रेडेशन न देने पर इस वर्ष अनुबंध न करने का फैसला लिया है, यानि शासन द्वारा धान तो खरीदी जाएगी, लेकिन उससे बनने वाला चावल अब नहीं बन पाएगा। इसकी मुख्य वजह उन्हें पिछले 2 वर्षों से किए गए कार्यों का भुगतान न होना बताया जा रहा है। दरअसल वर्ष 2022-23 और 2023-24 में जिले के 73 राइस मील संचालकों ने नागरिक आपूर्ति निगम से अनुबंध करते हुए केंद्रों से धान का उठाव करते हुए कस्टम मिलिंग की थी लेकिन उन्हें कार्य पूरा करने के बाद भी भुगतान के नाम पर कुछ ही राशि मिली।

राइस मील संचालक ईश्वर रोहरा ने बताया कि हम राइस मिलर्स को 2 वर्षों का करीब 100 करोड़ यानि 1अरब का भुगतान फंसा हुआ है, जिसमें 2023 का करीब 20 करोड़ तो 2024 का 80 करोड़ बकाया है। ऐसे में हम लोग मील के कर्मचारियों का भुगतान, बिजली का बिल, रख-रखाव सहित बैंक लोन की किस्त कैसे दे। यही नहीं इस वर्ष के लिए यदि मिलिंग करना है हो अनुबंध राशि का कोई जुगाड़ नहीं है, जबकि सभी मिलर्स कई बार शासन-प्रशासन से मिलकर अपनी समस्या से अवगत करवाया है, लेकिन आज दिनांक तक कोई हल नहीं निकला है, इसलिए हम लोगों ने इस बार मिलिंग न करने का निर्णय लिया है। बता दें कि कटनी में करीब 77 राइस मिलर्स है, जिनमें से 73 मील संचालक शासन से अनुबंध करते हुए कस्टम मिलिंग करते है, जिन्होंने हाल ही में अपने 6 बिंदुओं में अपनी मूल समस्याओं को लिखकर कटनी कलेक्टर, मुख्य सचिव भोपाल सहित खाद्यमंत्री से मुलाकात करते हुए पत्र सौंपा है। जिसमें अपग्रेडेशन राशि निर्धारण और भुगतान, मिलिंग राशि भुगतान, धान उठाव में सुखद व्यय, लोडिंग एवं अनलोडिंग की राशि देने सहित अन्य मुद्दे शामिल बताए गए है।

2 साल से नहीं हो पा रहा भुगतान

कटनी नागरिक आपूर्ति निगम प्रबंधक एलके शर्मा ने बताया कि हेड ऑफिस ने फंड की कमी के चलते 2 वर्षों से भुगतान नहीं हो पा रहा है। हम लगातार फंड की डिमांड करते हैं। जैसे जैसे पैसा आता है, हम सभी की कुछ न कुछ राशि जारी करते है। हाल ही में 18 करोड़ का भुगतान हुआ है इस बार फिर हमने 12 करोड़ के पेंडिंग बिल लगाकर डिमांड रखी है ताकि राइस मिलर्स को कुछ राहत दी जा सके। राइस मील एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक आसरानी ने बताया कि इस बार हम सभी राइस मिलर्स अपग्रेडेशन राशि और सभी प्रकार के भुगतान होने के बाद ही कस्टम मिलिंग का कार्य करेंगे। क्योंकि इस बार न तो हमारे पास अनुबंध के लिए कोई राशि है मील संचालन का पैसा, एसोसिएशन द्वारा कई बार पत्राचार किया, लेकिन सिर्फ हमे आश्वासन मिला है। लेकिन इस बार हम आश्वासन पर काम नहीं करेंगे। तो वहीं हम सभी प्रदेश के करीब 800 राइस मिलर्स भोपाल जाकर हमारे मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात करते हुए अपनी सभी मांगों को रखेंगे और समस्याओं का हल होने के बाद ही मिलिंग कार्य शुरू करेंगे।

600 करोड़ के 6 प्रोजेक्ट आठ साल बाद भी अधूरे

देरी और घटिया निर्माण से जनता परेशान

एजेंसी

भोपाल। राजधानी भोपाल में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट की लेटलतीफी से जनता परेशान है, वहीं यह योजना नगर निगम के लिए भी बड़ी मुसीबत बनते जा रही है। हद तो यह है कि दो साल में बनने वाले 600 करोड़ रुपए के 6 प्रोजेक्ट आठ साल बाद भी अधूरे हैं। इसके चलते इन आवासों के लिए अपनी जमा पूंजी लगाने वाले लोग परेशान हैं। नगर निगम के बुकिंग करने के बाद अब तक यह नहीं बता पा रहा है कि उनको पजेशन कब तक मिलेगा।

भोपाल में 12 नंबर स्टाफ पर नगर निगम ने मई 2017 में एचआईजी, एमआईजी और एलआईजी मकान बनाने का काम शुरू किया था। यहां पर करीब 1800 फ्लैट बनाए जा रहे हैं। 18 माह में काम पूरा करना था, लेकिन ठेकेदार बीच में ही काम छोड़ कर चला गया। ऐसे में सात साल पहले बुकिंग कराने वाले लोग अपने आपको ठगा महसूस कर रहे हैं। नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही फ्लैट का काम पूरा होने वाला है। इसके बाद हितग्राहियों को उनका आवास का आवंटन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसमें दो माह का समय लगेगा। इसी तरह गंगा नगर और श्याम नगर में भी 101 करोड़ से 2017 में प्रधानमंत्री आवास का निर्माण शुरू किया गया था। इसके लिए भी 18 माह का समय तय किया गया था।

बागमुगलिया में 2019 में शुरू हुआ काम

हिनोतिया आलम में भी 37 करोड़ के प्रोजेक्ट 2018 में शुरू किया गया था। यहां पर अलग-अलग पार्ट में 576 फ्लैट का निर्माण होना था। यह प्रोजेक्ट भी अधूरा है। इसके अलावा बाग मुगलिया में फरवरी 2019 में 158 करोड़ रुपए से प्रोजेक्ट शुरू किया गया। इसके लिए 24 माह का समय तय किया गया था। यहां पर 2232 फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है। बाजपेयी नगर भाग-2 में 108 करोड़ का प्रोजेक्ट तीन साल लेट चल रहा है।

लोगों ने लेटलतीफी पर दिया धरना

नगर निगम के हाउसिंग फॉर ऑल के प्रोजेक्ट में हो रही देरी को लेकर गंगा नगर, 12 नंबर समेत अन्य जगहों के लोगों ने कहा कि लगातार डेडलाइन बढ़ाने के बाद उनको नवंबर में पजेशन देने को कहा गया था, लेकिन इस साल के खत्म होने के बावजूद उनको पजेशन देने की उम्मीद नहीं दिख रही है। उन्होंने इस बात को लेकर भोपाल नगर निगम के आईएसबीटी कार्यालय पर पिछले सप्ताह धरना दिया था। लोगों ने प्रोजेक्ट में देरी के साथ ही घटिया निर्माण का भी आरोप लगाया।

वन्य प्राणियों की मौत की पीएम रिपोर्ट ऑनलाइन होगी

एजेंसी

भोपाल। प्रदेश के टाइगर रिजर्व और अन्य राष्ट्रीय उद्यानों में वन्य प्राणियों की सुरक्षा पर फोकस करने वाला वन महकमा अब इनकी मौत के कारणों की पूरी जानकारी भी ऑनलाइन रखेगा। इस मामले में खासतौर पर पिछले माह बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 हाथियों की मौत के बाद गंभीरता दिखाई गई है और सरकार के फैसले के बाद वन विभाग ने वन्य प्राणियों की मौत के बाद वेब आधारित पोस्टमार्टम रिपोर्टिंग सिस्टम तैयार किया है। वाइल्डलाइफ पोस्टमार्टम रिपोर्ट सिस्टम के नाम से तैयार किए गए इस सिस्टम का फायदा यह होगा कि वन्य प्राणियों की पीएम रिपोर्ट ऑनलाइन देखी जा सकेगी। केंद्र सरकार द्वारा इसके लिए चार फार्मेट तैयार किए गए हैं, जिनके आधार पर एमपी में भी व्यवस्था लागू की गई है ताकि देश के अन्य राज्यों के साथ रिपोर्ट की एकरूपता बनी रहे। वन अफसरों के अनुसार, वन्य प्राणियों का पोस्टमार्टम करने वाले वेटरनरी डॉक्टर्स का इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन होगा। साथ ही फॉरेस्ट के सभी उच्च अधिकारियों को रिपोर्ट पहुंचाने की सुविधा भी इसमें होगी। इसके लिए अफसरों को पासवर्ड दिए जाएंगे। यह पासवर्ड उपयोग कर सर्कल वाइज, वनमंडल वार तथा केस टाइप और डॉक्टर्स की रिपोर्ट देखी जा सकेगी। इसमें यह भी व्यवस्था की गई है कि वन्य प्राणी की मृत्यु के बाद जहां पर उसकी डेडबॉडी मिली है, उसकी लोकेशन गूगल मैप से देखी जा सके। इस रिपोर्ट को वन महकमा लीगल कार्यों में भी उपयोग कर सकेगा।

लंबित मांगें सुलझने की बजाय उलझती जा रही

पांच साल से नहीं हुई परामर्शदात्री की बैठक

एजेंसी

भोपाल। चिकित्सकों और कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों के समाधान के लिए सीएमएचओ में हर तीन माह में होने वाले परामर्शदात्री बैठक पांच साल में नहीं हो पाई है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि भोपाल जिले के स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों से लेकर कर्मचारियों तक की समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। वह भी तब जब बठक बुलाने के लिए करीब एक दर्जन पत्र लिखे गए हैं। मप्र जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डा. कुलदीप गुप्ता का कहना है कि परामर्शदात्री समति की बैठकें नियमित रूप से होना चाहिए। बैठक एक ऐसा आधार रहता है जिसमें लोक सेवक को अपनी परेशानी हल कराने का मौका स्थानीय स्तर पर मिलता है। गौरतलब है कि शासन के निर्देश हैं कि विभागों में तीन माह के दौरान परामर्शदात्री बैठक आयोजित की जाए। लेकिन सरकारी विभागों में शासन के निर्देशों का कितना पालन हो रहा है, भोपाल जिले के स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों से लेकर कर्मचारियों का विरोध को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता रहा है। यहां पांच साल से परामर्शदात्री की बैठक नहीं बुलाई गई है। जबकि इस अवधि में ग्यारह पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को दिए जा चुके हैं। फिर भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। रिटायर्ड स्वास्थ्य सेवक एवं अध्यक्ष पुरानी पेंशन बहाली प्रमोद तिवारी का कहना है कि पिछले पांच साल में सीएमएचओ को ग्यारह पत्र दिए गए, लेकिन परामर्शदात्री नहीं बुलाई गई है।

हर 3 माह में बैठक बुलाने का नियम

जानकारी के अनुसार शासन का नियम है कि सभी विभागों में राज्य से लेकर जिला और ब्लाक स्तर पर परामर्शदात्री हर तीन माह में बुलानी होगी। सीएमएचओ कार्यालय में वर्ष 2018 से कोई बैठक नहीं बुलाई गई है। अब दिक्कत यह है कि कर्मचारियों की अनेक ऐसी समस्या हैं जो स्थानीय स्तर पर सुलझना है। परामर्शदात्री का आयोजन नहीं होने के कारण यह दायरा बढ़ता ही चला जा रहा है। जबकि चिकित्सकों एवं कर्मचारियों का कहना है कि पांच साल में ग्यारह पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय को दिए ज चुके हैं। मांग भी की गई कि बैठकों में सभी कर्मचारी संघों को बुलाकर उनके पक्ष सुने जाएं। अफसर से मौखिक मुलाकात भी की जा चुकी है। आरोप है कि परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित नहीं की गई है। नतीजा यह है कि लंबित मांगें सुलझने की बजाय उलझती जा रही हैं। कर्मचारी निरंतर रिटायर्ड हो रहे हैं, लेकिन समय से उन्हें सुविधा नहीं मिल पाई है। कर्मचारियों के जिला स्तर पर अनेक मुद्दे होते हैं जो परामर्शदात्री के माध्यम से सक्षम अधिकारी ही सुलझाने के अधिकार रखता है। अनेक डॉक्टरों और नर्सेस सहित अनेक कर्मचारी रिटायर्ड हो जाते हैं।

दिव्यांगो को मिले बराबरी का अधिकार

(3 दिसम्बर विश्व विकलांग दिवस पर विशेष)

रमेश सर्राफ धमोरा

ग्लोबल हेराल्ड

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1992 में हर वर्ष 3 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के रूप में मनाने घोषणा की गयी। इसका उद्देश्य समाज के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों को बढ़ावा देना और राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन में दिव्यांग लोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। मगर आज भी लोगों को तो इस बात का भी पता ही नहीं होता है कि हमारे आस-पास कितने दिव्यांग रहतें हैं। उन्हे समाज में बराबरी का अधिकार मिल रहा है कि नहीं। किसी को इस बात की कोई फिकर नहीं हैं।

समाज में दिव्यांगता को एक सामाजिक कलंक के रूप में देखा जाता है। जिसे सुधारने की आवश्यकता है। इस वर्ष का विषय समावेशी और टिकाऊ भविष्य के लिए विकलांग व्यक्तियों के नेतृत्व को बढ़ावा देना विकलांग व्यक्तियों को अपने भाग्य को आकार देने और समाज में योगदान देने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने के महत्व को रेखांकित करता है।

सरकार द्वारा देश में दिव्यांगो के लिए कई नीतियां बनायी गयी है। उन्हें सरकारी नौकरियों, अस्पताल, रेल, बस सभी जगह आरक्षण प्राप्त है। दिव्यांगो के लिए सरकार ने पेशन की योजना भी चला रखी है। लेकिन ये सभी सरकारी योजनाएं उन दिव्यांगो के लिए महज एक मजाक बनकर रह गयी हैं। जब इनके पास इन सुविधाओं को हासिल करने के लिए दिव्यांगता का प्रमाणपत्र ही नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि शारीरिक रूप से अशक्त लोगों के पास एक 'दिव्य क्षमता' है और उनके लिए 'विकलांग' शब्द की जगह दिव्यांग शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने विकलांगों को दिव्यांग कहने की अपील की थी। जिसके पीछे उनका तर्क था कि शरीर के किसी अंग से लाचार व्यक्तियों में ईश्वर प्रदत्त कुछ खास विशेषताएं होती हैं। विकलांग शब्द उन्हे हतोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर देश के लोगों ने विकलांगो को दिव्यांग तो कहना शुरू कर दिया लेकिन लोगों का उनके प्रति नजरिया आज भी नहीं बदल पाया है। आज भी समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगों को दयनीय दृष्टि से ही देखा जाता है। भले ही देश में अनेको दिव्यांगों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया हो मगर लोगों का उनके प्रति वहीं पुराना नजरिया बरकरार है।

दुनिया में अनेकों ऐसे उदाहरण मिलेंगे जो बताते है कि सही राह मिल जाये तो अभाव एक विशेषता बनकर सबको चमत्कृत कर देती है। भारत में दिव्यांगो की मदद के लिए बहुत सी सरकारी योजनाएं संचालित हो रही हैं। लेकिन इतने वर्षो बाद भी देश में आज तक आधे दिव्यांगो को ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र मुहैया कराया जा सका है। ऐसे में दिव्यांगो के लिए सरकारी सुविधाएं हासिल करना महज मजाक बनकर रह गया हैं।

दुनिया में बहुत से ऐसे दिव्यांग हुए हैं जिन्होंने अपने साहस संकल्प और उत्साह से विश्व के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम लिखवाया है। शक्तिशाली शासक तैमूर लंग हाथ और पैर से शक्तिहीन था। मेवाड़ के राणा सांगा तो बचपन में ही एक आंख गवाने तथा युद्ध में एक हाथ एक पैर तथा 80 घावों के बावजूद कई युद्धों में विजेता रहे थे। सिख राज्य की स्थापना करने वाले महाराजा रणजीत सिंह की एक आंख बचपन से ही खराब थी। सुप्रसिद्ध नृत्यांगना सुधा चंद्रन के दाई टांग नहीं थी। फिल्मी गीतकार कृष्ण चंद्र डे तथा संगीतकार रविंद्र जैन देख नहीं सकते थे। पूर्व क्रिकेटर अंजन भट्टाचार्य मूकबधिर थे। वर्ल्ड पैरा चैम्पियनशिप खेलों में झुंझुनू जिले के दिव्यांग खिलाड़ी संदीप कुमार व जयपुर के सुन्दर गुर्जर ने भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत कर भारत का मान बढ़ाया है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि भारत में दिव्यांग आज भी अपनी जरूरतों के लिए दूसरों पर आश्रित है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अनुमान के अनुसार विश्व स्तर पर 15 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार की विकलांगता के साथ रहती है। जबकि उसमें से 80 प्रतिशत से अधिक लोग निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं। जबकि भारत में 140 करोड़ से अधिक लोग है। इस आबादी का 2.2 प्रतिशत से अधिक लोग किसी न किसी रूप में गंभीर मानसिक या शारीरिक विकलांगता से पीड़ित हैं। आज के प्रगतिशील युग में जहाँ सभी लोगों के एकीकरण और समावेशन पर सतत विकास के प्रवेश द्वार के रूप में जोर दिया जाता है। भारत में विकलांग लोगों को वगीर्कृत करने वाले मानदंडों की सूची को 2016 में नया रूप दिया गया था। 2016 के आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम पर आधारित संशोधित परिभाषा में एसिड हमलों से संबंधित शारीरिक विकृति और चोटों को विकलांगता के रूप में मान्यता देना भी शामिल है। जो इन पीड़ितों को विभिन्न प्रकार की सरकारी सहायता और समर्थन का हकदार बनाता है ।

विकलांगों के अधिकारों के लिए काम कर रहे संगठन नेशनल प्लेटफॉर्म फॉर द राइटस ऑफ डिसएबिल्ड ने प्रधानमंत्री मोदी के दिव्यांग शब्द पर उनको पत्र लिखकर कहा कि था कि केवल शब्द बदलने मात्र से ही विकलांगों के साथ होने वाले व्यवहार के तौर तरीके में कोई बदलाव नहीं आएगा। सबसे बड़ी जरुरत है विकलांगों से जुड़े अपयश, भेदभाव और हाशिए पर डालने के मुद्दों पर ध्यान देने की है। ताकि वो देश की राजनीति के साथ साथ आर्थिक, सामाजिक विकास में बेहतर भागीदारी कर सकें।

भारत में आज भी दिव्यांगता प्रमाण पत्र हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है। सरकारी कार्यालयों और अस्पतालों के कई दिनों तक चक्कर लगाने के बाद भी लोगों को मायूस होना पड़ता है। हालांकि सरकारी दावे कहते हैं कि इस प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है, लेकिन हकीकत इससे काफी दूर नजर आती है। दिव्यांगता का प्रमाणपत्र जारी करने के सरकार ने जो मापदण्ड बनाये हैं। अधिकांश सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक उनके अनुसार दिव्यांगो को दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र जारी ही नहीं करते है। जिसके चलते दिव्यांग व्यक्ति सरकारी सुविधायें पाने से वचिंत रह जाते हैं।

देश में दिव्यांगो को दी जाने वाली सुविधाएं कागजों तक सिमटी हुई हैं। अन्य देशों की तुलना में हमारे यहां दिव्यांगो को एक चौथाई सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही है। केन्द्र सरकार ने देशभर के दिव्यांग युवाओं को केन्द्र सरकार में सीधी भर्ती वाली सेवाओं के मामले में दृष्टि बाधित, बधिर और चलने-फिरने में दिव्यांगता या सेरेब्रल पल्सी के शिकार लोगों को उम्र में 10 साल की छूट देकर एक सकारात्मक कदम उठाया है। दिव्यांगता शारीरिक अथवा मानसिक हो सकती है किन्तु सबसे बड़ी दिव्यांगता हमारे समाज की उस सोच में है जो दिव्यांग जनों से हीन भाव रखती है। जिसके कारण एक असक्षम व्यक्ति असहज महसूस करता है।

आधुनिक होने का दावा करने वाला हमारा समाज अब तक दिव्यांगो के प्रति अपनी बुनियादी सोच में कोई खास परिवर्तन नहीं ला पाया है। अधिकतर लोगों के मन में दिव्यांगों के प्रति तिरस्कार या दया भाव ही रहता है। ऐसे भाव दिव्यांगो के स्वाभिमान पर चोट करते हैं। भारत में दिव्यांगो की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद इनकी परेशानियों को समझने और उन्हें जरूरी सहयोग देने में सरकार और समाज दोनों नाकाम दिखाई देते हैं।

अब दिव्यांग लोगों के प्रति अपनी सोच को बदलने का समय आ गया है। दिव्यांगो को समाज की मुख्यधारा में तभी शामिल किया जा सकता है जब समाज इन्हें अपना हिस्सा समझे। इसके लिए एक व्यापक जागरूकता अभियान की जरूरत है। हाल के वर्षों में दिव्यांगो के प्रति सरकार की कोशिशों में तेजी आयी है। दिव्यांगो को कुछ न्यूनतम सुविधाएं देने के लिए प्रयास हो रहे हैं। हालांकि योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सरकार पर सवाल उठते रहे हैं। पिछले दिनों क्रियान्वयन की सुस्त चाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकार भी लगायी थी। दिव्यांगो को शिक्षा से जोडना बहुत जरूरी है। मूक-बधिरों के लिए विशेष स्कूलों का अभाव है। जिसकी वजह से अधिकांश विकलांग ठीक से पढ़-लिखकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं बन पाते हैं।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

राजनीतिक क्षेत्र में परिवारवाद एक अंतर्राष्ट्रीय समस्या

भारत में भाई-भतीजावाद और परिवारवाद को लेकर राजनीतिक गलियारे से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में सदा से ही गर्मा-गरम बहस होती चली आ रही है। परिवारवाद के नाम पर कांग्रेस सदा से विरोधियों के निशाने पर रही है। अब जबकि केंद्र में भाजपा नीत सरकार लंबे समय से बर्चस्व में है तो यहां पर भी भाई-भतीजाबाद के आरोप लगने शुरू हो गए हैं। चुनावी टिकट का मामला हो या पदों के बंटबारे की बात हो, सभी जगह परिवारवाद हावी होता दिखता है। हद तब हो जाती है जब सरकारी नौकरियों में भाई-भतीजाबाद खूब फलता-फूलता दिखता है। यहां बताते चलें कि यह बीमारी महज भारत में पल रही हो ऐसा नहीं है, बल्कि इसकी जद में दुनियां की महाशक्ति कहा जाने वाला अमेरिका तक आ चुका है।

डॉ. हिदायत अहमद खान

ग्लोबल हेराल्ड

अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश में जहां राजनीतिक पारदर्शिता और संस्थागत संतुलन पर जोर दिया जाता है, वहाँ भी प्रशासनिक नियुक्तियों में परिवारवाद और व्यक्तिगत संबंधों की भूमिका एक विवादास्पद विषय बना हुआ है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान और अब उनके फैसले को लेकर दुनियाभर में चर्चाएं हो रही हैं। खास चर्चा उनकी नियुक्तियों को लेकर हो रही है। उनकी प्रशासनिक नियुक्तियों ने भाई-भतीजावाद वाली बहस को एक बार फिर से हवा दे दी है। दरअसल ट्रंप ने अपने परिवार के करीबी सदस्यों और सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है, जिससे अमेरिकी राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। वैसे यह कोई नई बात नहीं है, क्योंकि इससे पहले भी ट्रंप के प्रशासन में पारिवारिक सदस्यों को खास नियुक्तियां देने का अपना ही एक अलग इतिहास रहा है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने अपनी बेटी इवांका ट्रंप और उनके पति जारेड कुशनर को व्हाइट हाउस में वरिष्ठ सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया था। अब जो ताजा मामला सामने आया है, उसमें उन्होंने अपने एक समधी अरबपति मसाद बाउलोस को मध्य पूर्व मामलों के सलाहकार के रूप में और दूसरे समधी रियल एस्टेट कारोबारी चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अमेरिकी राजदूत के रूप में नियुक्त किया है। इस कदम ने उनके आलोचकों को एक बार फिर यह कहने का मौका दिया है कि ट्रंप प्रशासन भाई-भतीजावाद और देश के हितों के टकराव से भरा हुआ है। इन नियुक्तियों को लेकर कहा तो यहां तक जा रहा है कि इनका अंतरराष्ट्रीय मंच पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। मध्य पूर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्र में मसाद बाउलोस की नियुक्ति ने यह सवाल उठाया है कि क्या व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर ऐसे अहम पदों पर की जा रहीं नियुक्तियां अमेरिका की कूटनीति को कमजोर करने वाली साबित नहीं होंगी? हालांकि, ट्रंप ने बाउलोस को एक अनुभवी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में पेश किया, लेकिन आलोचकों का तर्क है कि ऐसे व्यक्तियों की नियुक्ति अमेरिकी कूटनीति की पारंपरिक संरचना और उसकी निष्पक्षता को कमजोर करती है। चार्ल्स कुशनर की फ्रांस में नियुक्ति, जो अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है, ने भी इसी तरह की चिंताओं को जन्म दिया है। एक राजदूत का काम पारंपरिक रूप से पेशेवर राजनयिकों या अनुभवी व्यक्तियों को सौंपा जाता है। परिवार के सदस्यों की नियुक्ति से यह छवि बनती है कि अमेरिकी विदेश नीति में व्यक्तिगत हित ज्यादा अहम हो गए हैं और राष्ट्रहित दोयम दर्जे पर जाते दिख रहे हैं। चिंता इसलिए भी है क्योंकि ट्रंप के परिवार के सदस्यों की नियुक्तियों पर अक्सर हितों के टकराव के आरोप लगते रहे हैं। जारेड कुशनर के पिछले विवादों को देखते हुए, यह चिंता बढ़ जाती है कि ऐसी नियुक्तियां राजनीतिक स्वार्थों को बढ़ावा दे सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, ट्रंप द्वारा जारेड कुशनर को 2005 के अपराध मामले में माफी देने और बाद में उन्हें व्हाइट हाउस में अहम भूमिका देने से पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए। अमेरिकी प्रशासन की ऐसी नियुक्तियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आलोचना का केंद्र बन सकती हैं। अमेरिका के सहयोगी और विरोधी देश दोनों ही इस तरह की नियुक्तियों को राजनीतिक और कूटनीतिक प्रक्रियाओं की कमजोरी के रूप में देख सकते हैं। यह स्थिति अमेरिकी नेतृत्व की विश्वसनीयता को कमजोर कर सकती है, खासकर उन देशों में जो पारिवारिक और व्यक्तिगत प्रभाव से दूर एक पारदर्शी और संस्थागत शासन प्रणाली का अनुसरण करते हैं।

मोहन की भागवत का नया अध्याय बच्चे बढ़ाओ

राकेश अचल

ग्लोबल हेराल्ड

वेदव्यास की श्रीमद् भागवत कथा में 18 हजार श्लोक, 335 अध्याय व 12 स्कंध हैं, लेकिन आरएसएस के डॉ मोहन भागवत की कथा में न श्लोकों की संख्या तय है और न अध्यायों की और न स्कन्धों की। ये लगातार घटते-बढ़ते रहते हैं। डॉ मोहन भागवत की भगवत कथा भारतीय संविधान की तरह लचीली है। डॉ भगवत ने अपनी भागवत में एक नया अध्याय जोड़ा है तीन बच्चे पैदा करो का। अब उनके इस नए अध्याय से पूरा देश आल्हादित भी है और चिंतित भी।

संघ प्रमुख कहने को पशु चिकित्स्क हैं किन्तु वे मानवता से ओतप्रोत हैं। उन्हें पशुओं से ज्यादा मनुष्यों की फिक्र रहती है। आजकल उन्हें बहुसंख्यक हिन्दू समाज के अल्पसंख्यक होने की चिंता सता रही है इसीलिए उन्होंने देश की जनता से आव्हान किया है कि हर कोई कम से कम ३ बच्चे तो पैदा करें ही, अन्यथा उनका वजूद मिट जाएगा। डॉ भागवत को शायद पता नहीं है कि आजकल बच्चे पैदा करना तो दूर शादी करना भी कठिन हो गया है। देश में बच्चों से ज्यादा बेरोजगारों की सख्या बढ़ रही है और बरोजगारों की शादी आसानी से नहीं होती।ये बेरोजगार तीन बच्चे पैदा करने के राष्ट्रयज्ञ में कैसे शामिल हो सकते हैं ?

गोस्वामी तुलसीदास जी ने राम चरित मानस में लिखा है कि - पर उपदेश कुशल बहुतेरे, जे अचरहिं ते नर न घनेरे। डॉ भागवत इन्हीं घनेरे नरों में से एक हैं। डॉ भागवत को नहीं पता कि शादी करना और विवाह करना कोई आसान काम नहीं है। यदि होता तो वे खुद शादी न कर लिए होते। उनके मित्र प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी ने तो शादी की भी लेकिन भाग खड़े हुए। वे तीन क्या, एक बच्चा भी इस देश को नहीं दे पाए। समाज की संरचना में इस लिहाज से डॉ भागवत और डॉ मोदी जी का कोई योगदान नहीं है। इसलिए उन्हें ये कहने का भी अधिकार नहीं है कि लोग तीन बच्चे पैदा करें। इस देश को हम दो, हमारे दो का नारा देने वाली देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी ने शादी भी की और दो बच्चे भी देश सेवा के लिए दिए। यानि भागवत और मोदी के मुकाबले इंदिरा गाँधी का योगदान ज्यादा महत्वपूर्ण है।

सवाल ये है कि डॉ भागवत को आबादी बढ़ने की सलाह देने की जरूरत आखिर पड़ी क्यों ? क्या डॉ भागवत समाजशास्त्री हैं ? क्या डॉ भागवत अर्थशास्त्री हैं ? नहीं हैं। वे पशु चिकित्स्क हैं। इसलिए उन्हें आबादी के बारे में बात करने की न पात्रता हासिल है और न किसी ने उन्हें ये अधिकार दिया है।

देश की आबादी 2024 में 144 करोड़ थी, जो भविष्य में घटना नहीं है, भले ही देश की प्रजनन दर घटकर २ प्रतिशत ही क्यों न हो जाये। आबादी बढ़ाने की फिक्र उन देशों की हो सकती है जिन देशों में लगातार आबादी घट रही है। भारत तो जनसंख्या के मामले में विश्व चैम्पियन है। नंबर वन, यानि चीन से भी आगे। इस पर भी डॉ भागवत कह रहे हैं कि देश का काम केवल दो बच्चों से चलने वाला नहीं ही, कम से कम 3 बच्चे हर विवाहित जोड़े को पैदा करना चाहिए।

संघ प्रमुख डॉ मोहन भागवत लगता है अपने प्रधानमंत्री के हम उम्र प्रचारक तो हैं किन्तु हम ख्याल बिलकुल नहीं है। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री जी की योजनाओं और चिंताओं का पता नहीं है, यदि पता होता तो वे आबादी बढ़ाने की बात ही न करते। शायद किसी ने डॉ भागवत को ये नहीं बताया कि इस देश में आज भी सरकार को 85 करोड़ लोगों को पेट भरने के लिए मुफ्त में अनाज देना पड़ रहा है। यानि इस आबादी के एक बड़े हिस्से के पास न दो जून की रोटी है, न रहने को घर, चिकित्सा, शिक्षा और दीगर सुविधाओं की तो बात ही दूर है। ऐसे में यदि लोगों ने आबादी बढ़ाना शरू कर दी तो ये मुफ्तखोरों की तादाद और नहीं बढ़ा देंगे !

देश को तीन बच्चे पैदा करने का गुरु मंत्र देने वाले डॉ भागवत को अपना समान्य ज्ञान बढ़ाना चाहिए, क्योंकि शायद वे नहीं जानते कि दुनिया की कुल आबादी का कोई 18 फीसदी हिस्सा तो अकेले भारत के पास है। डॉ भागवत को पशु चिकत्सा शिक्षा के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ की वो रिपोर्ट नहीं पढ़ाई गयी होगी जिसके मुताबिक दुनिया में दुनिया के 1 अरब गरीबों में से 23 करोड़ से ज्यादा लोग अकेले भारत में रहते हैं। इनमें भी बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा यानि आधी है। डॉ भागवत को ये नहीं पता कि इस वर्ष की रिपोर्ट संघर्ष के बीच गरीबी पर केंद्रित है, क्योंकि 2023 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे अधिक संघर्ष हुए और युद्ध, आपदाओं और अन्य कारकों के कारण अब तक की सबसे अधिक संख्या यानी 11.7 करोड़ लोगों को अपने घरों को छोड़कर विस्थापित होना पड़ा। इनमें मणिपुर की विभीषिका में बेघर हुए लोग शामिल नहीं हैं।

मुझे पता नहीं है कि डॉ भागवत ने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान किस विश्व विद्यालय से पढ़ा है ? मोहन भागवत ने कहा, आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है, तो वह समाज दुनिया से नष्ट हो जाता है जब कोई संकट नहीं होता है। इस तरह से कई भाषाएं और समाज नष्ट हो गए हैं. जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। मै डॉ मोहन भागवत के ज्ञान को कोई चुनौती देना नहीं चाहता, मेरी हैसियत भी नहीं है चुनौती देने की। लेकिन एक बालक बुद्धि के हिसाब से मै भी एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तरह जानना चाहता हूँ कि वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों को क्या देंगे. क्या वह अधिक बच्चे पैदा करने वालों के बैंक खातों में 1500 रुपये देंगे ? क्या वह इसके लिए कोई योजना लाएंगे ? बहरहाल 3 बच्चे पैदा करने के मश्विरे के बारे में मै तो सोचने से रहा क्योंकि मेरे यहां तो फुलस्टाप लग चुका है, लेकिन जो अभी इस उद्यम में लगे हैं, वे सोचें, समझें और खुद कोई निर्णय करे। डॉ भागवत की बातों में बिना समझे न आ जाएँ, अन्यथा उनका तीसरा बच्चा भी मुमकिन है उस कतार में बैठा हो जिसे पांच किलो मुफ्त का अनाज खाकर जीवित रहना पड़ता है।

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

ललित गर्ग

ग्लोबल हेराल्ड

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत ह्लवसुधैव कुटुम्बकमह्व की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है।

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है।

आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान् कर्मयोद्धा कर रहा है।

दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है।

वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है।

व्यापार

देश के आठ शहरों में जुलाई-सितंबर में आवासीय कीमतें 11 प्रतिशत बढ़ी: रिपोर्ट

एनसीआर में दरें सबसे अधिक बढ़ीं

नई दिल्ली। भारत के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय कीमतों में तेजी देखने को मिली, इसकी जानकारी एक नई रिपोर्ट से मिली। रिपोर्ट में जुलाई-सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत की औसत वृद्धि की गई। एनसीआर में दरें सबसे अधिक बढ़ीं, साथ ही बेंगलुरू में भी तेजी देखी गई। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आवासीय कीमतें 32 प्रतिशत बढ़कर 11,438 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। इसके बाद बेंगलुरू में 24 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि मांग और सकारात्मक बाजार धारणा की वजह से हुई। सलाहकारों का कहना है कि सभी आठ शहरों में आवास की कीमतों में वृद्धि देखी गई। जुलाई-सितंबर में बेंगलुरू में आवास की औसत कीमतें 11,743 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 9,471 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं। यह रिपोर्ट उम्मीद जताती है कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश के लिए एक बेहतर माहौल है, जिसे लोग एक अच्छा निवेश अवसर मान सकते हैं। अगर इस तेजी के प्रकरण का एक सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो इससे अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

- नवंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ

नवंबर में जीएसटी संग्रह में 8.5 फीसदी की वृद्धि, अर्थव्यवस्था को मिली राहत

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है कि नवंबर महीने में जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) संग्रह में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे एक अच्छी तरह से चल रही अर्थव्यवस्था को राहत मिली है। सरकार के जानकारों के अनुसार नवंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो समानकालीन वर्ष में इसी महीने में 1.68 लाख करोड़ रुपये था। केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य जीएसटी संग्रह 43,047 करोड़ रुपये और एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपये का रहा। बताया जा रहा है कि यह नवंबर में तीसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह है। पिछले महीने अच्छी संख्या आई थी, जिसमें अक्टूबर महीने में 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया था। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार इस महीने के दौरान घरेलू लेन-देन से जीएसटी राजस्व 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं आयात पर कर से राजस्व लगभग छह प्रतिशत बढ़कर 42,591 करोड़ रुपये हो गया। कुल मिलाकर यह संख्याएं आर्थिक स्थिति में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण हैं और आर्थिक विश्लेषकों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में सकल जीएसटी संग्रह 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें एक साल पूरे होने से पहले एक अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। फिर भी संकेत जरूरी है क्योंकि यह नवंबर महीने में रिफंड समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अब तक सबसे अधिक जेबीडीपी की वृद्धि अप्रैल, 2024 में हुई थी। वित्त वर्ष में सकल जीएसटी संग्रह की वृद्धि के साथ चालू वित्त वर्ष के शेष चार महीनों में जेबीडीपी वृद्धि के लिए अच्छी भविष्यवाणी की गई है कि इस साल वित्त वर्ष 2024-25 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का संग्रह हो सकता है।

क्यूआर कोड से रेहड़ी-पटरी वालों को मिलने लगे ऋण

नई दिल्ली। भारतीय वित्तीय सेवा कंपनी एनबीएफसी ने अब छोटे कारोबारियों के लिए एक नया ऋण कार्यक्रम शुरू किया है, जो मुथूट फिनकॉर्प वन के माध्यम से केवल क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके उनके दैनिक लेनदेन के आधार पर मिलेगा। इस कार्यक्रम के जरिए रेहड़ी-पटरी वालों जैसे छोटे व्यवसायी अब पांच लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। एक बयान के अनुसार यह डिजिटल मंच मुथूट फिनकॉर्प वन के साथ काम करके एमएफएल के ठीक से तैयार किए गए उद्यमों को ऋण प्रदान करेगा। इस प्रक्रिया में क्यूआर-कोड आधारित ऐप का इस्तेमाल किया जाएगा।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर नवंबर में 11 महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर नवंबर महीने में 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अनुसार इस दौरान ऑर्डरों में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। प्रतियोगी स्थितियों और मुद्रास्फीति के दबावों के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सीमित रही है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह खबर सामने आई कि नवंबर में वृद्धि दर 56.5 थी, जो पिछले महीने की तुलना में कुछ कम लग रही थी। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने बताया कि इस संक्षेपण के बावजूद भारतीय विनिर्माण क्षेत्र अभी भी विस्तार की दिशा में है। उन्होने कहा कि मांग की मजबूती और उत्पादन में विस्तार की दर, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मदद कर रही है। हालांकि, मूल्य दबाव बढ़ने के कारण उत्पादन वृद्धि में धीमी गति आ रही है। इसके अतिरिक्त, नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और खनन क्षेत्रों की खराब प्रदर्शन के कारण, भारत की आर्थिक वृद्धि दर एक निम्न स्तर पर पहुंच गई है। वस्तु उत्पादकों के मोर्चे पर अच्छी खबर है, क्योंकि अक्टूबर से उनके विक्रय मूल्यों में अधिक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे व्यापक अंतरराष्ट्रीय मांग की दर चार महीनों में सबसे अच्छी रही है। जबकि इस दौरान संकुचन का मामला रहा है, परंतु भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वृद्धि की दिशा में तेजी जारी है।

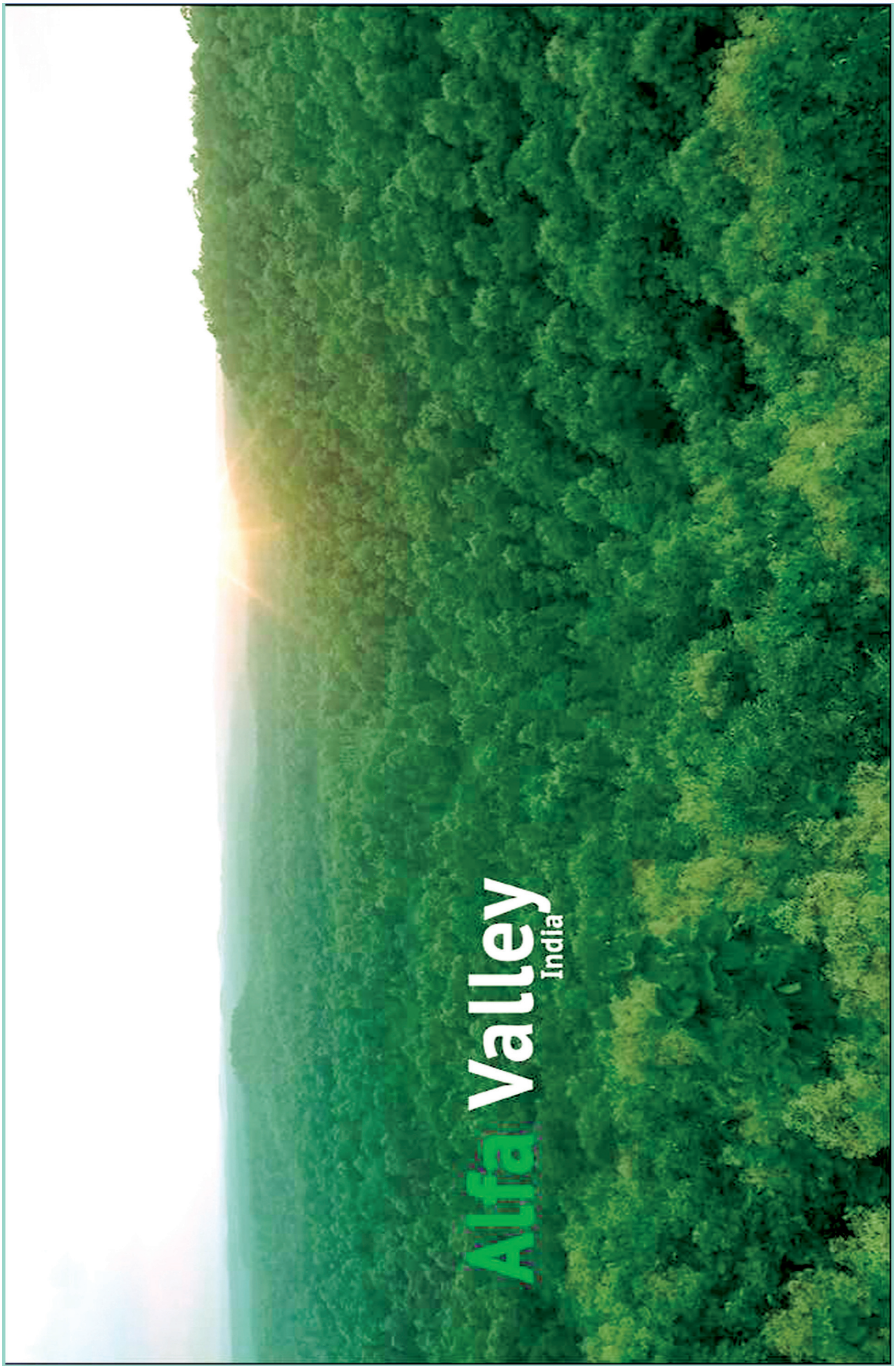
Alfa Valley
India

मनोरंजन

लाइमलाइट से दूर रहती है महिमा चौधरी की बेटी आर्यना

बालीवुड का एक स्टार किड ऐसा है जो लाइमलाइट से दूर रहती है, वह है महिमा चौधरी की बेटी आर्यना चौधरी। आर्यना चौधरी, अपनी मां महिमा चौधरी की तरह ही खूबसूरत हैं। उनका मासूम चेहरा, प्यारी आंखें और दिल छू लेने वाली मुस्कान किसी को भी आकर्षित कर सकती हैं। हाल ही में आर्यना को अपनी मां महिमा और दोस्तों के साथ एक वेकेशन पर देखा गया था। महिमा ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में एक वीडियो शेयर किया, जिसमें दिखाया गया कि होटल के कमरे से रनवे का खूबसूरत दृश्य दिख रहा था। इस वीडियो में आर्यना भी नजर आ रही थीं और उनकी मां से काफी मिलती-जुलती दिख रही थीं। आर्यना कुछ समय पहले अपनी मां महिमा के साथ एक इवेंट में शामिल हुई थीं, जहां एक इंटरव्यू में उन्हें पूछा गया कि क्या वह भी फिल्मों में काम करना चाहेंगी। इस पर आर्यना ने कहा कि वह अपनी मां की तरह एक्ट्रेस बनना चाहती हैं। साथ ही, उन्होंने अपनी मां महिमा के बारे में कहा कि वह एक सेलिब्रिटी के साथ रहती हैं, जो उनकी मां हैं।

द साबरमती रिपोर्ट मचाया रही हैं धमाल

फिल्म द साबरमती रिपोर्ट ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी जबरदस्त सफलता से सबको हैरान कर दिया है। फिल्म की रिलीज के बाद से ही इसकी चर्चा जोरों पर है, और यह दर्शकों के बीच बेहद पॉपुलर हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस फिल्म की तारीफ की है, खासकर इसकी सच्चाई को बेबाकी से पेश करने के लिए। फिल्म को लेकर देश के कई राज्यों ने इसे टैक्स-फ्री घोषित किया है, जिसमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, और ओडिशा जैसे प्रमुख राज्य शामिल हैं। इसके बाद फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है और अब तक 28.16 करोड़ की कमाई कर चुकी है। द साबरमती रिपोर्ट में विक्रांत मैसी, राशी खन्ना, और रिद्धि डोगरा मुख्य भूमिका में हैं, और यह फिल्म ऐतिहासिक और सच्ची घटनाओं पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन धीरज सरना ने किया है और इसे जी स्टूडियोज द्वारा दुनियाभर में रिलीज किया गया है। इस सफलता से फिल्म इंडस्ट्री में एक नया संदेश भी गया है कि दर्शक अब सच्चाई और ऐतिहासिक कहानियों पर आधारित फिल्में पसंद करने लगे हैं।

नीना गुप्ता ने दिखाई नई चुड़ैल अवतार

बॉलीवुड की दिग्गज और नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्ट्रेस नीना गुप्ता अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। 65 साल की उम्र में भी वह अपनी दमदार अदाकारी से सभी को हैरान करती रहती हैं। इस बार, नीना ने एक नया और बिल्कुल अलग अवतार अपनाया है, जो उनके फैंस को एक बड़े झटके जैसा महसूस हो रहा है। नीना गुप्ता का यूट्यूब इंडिया इंस्टाग्राम पेज पर एक नया वीडियो सामने आया है, जिसमें वह गंजी चुड़ैल के लुक में नजर आ रही हैं। इस वीडियो में नीना के साथ ब्यूटी और लाइफस्टाइल इन्फ्लुएंसर शिवशक्ति सचदेव, इशिता मंगल, और शक्ति सिधवानी भी दिख रहे हैं। वीडियो की शुरूआत एक मजेदार वॉइसओवर से होती हैः एक बार तीन यूट्यूबर्स किडनैप हो जाती हैं, गंजी चुड़ैल के हाथों। इसके बाद नीना गुप्ता अपनी चुड़ैल वाली भूमिका में एंट्री करती हैं और कहती हैं, थक गई हूं मीम बनाके, अब तुम तीनों मुझे बेब बनाओगी। इस वीडियो को यूट्यूब ने शेयर करते हुए लिखा, भूत आइकॉनिक से यूथ आइकॉनिक तक।

रीम शेख का मालदीव वेकेशन

टीवी एक्ट्रेस रीम शेख इस समय मालदीव में अपनी छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। 22 वर्षीय एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी कई आकर्षक तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस का ध्यान खींच रही हैं। समंदर के किनारे शानदार समय बिता रही रीम अपने स्टाइलिश लुक से हर किसी को दीवाना बना रही हैं। इस बार रीम ने व्हाइट मोनोकिनी में अपनी शानदार तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका लुक बेहद खूबसूरत नजर आ रहा है। मोनोकिनी पर स्कैलप्ड डिजाइन और कमर पर कट-आउट डिजाइन ने उनके आउटफिट को और भी आकर्षक बना दिया है। उन्होंने अपनी इस लुक को गोल काले धूप के चश्मे के साथ पेयर किया है, और एक्सेसरीज को कम रखा है, जिससे उनका लुक और भी सिंपल और स्टाइलिश दिख रहा है। इससे पहले, रीम ने ब्लैक मोनोकिनी में भी अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं, जिन्हें उनके फैंस और दोस्त काफी पसंद कर रहे हैं। रीम का यह वेकेशन लुक सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बन गया है।

ईसीबी ने पीएसएल सहित विश्व की अन्य फ्रेंचाइजी लीगों में अपने खिलाड़ियों के खेलने पर रोक लगायी

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के खिलाड़ी अब पाकिस्तान सुपर लीग में नहीं खेल पाएंगे। इसका कारण है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने अपनी खिलाड़ियों के इस लीग में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। ईसीबी के अनुसार पीएसएल के समय ही देश में घरेलू सत्र भी चलता है। ऐसे में खिलाड़ियों की उपलब्धता में आ रही परेशानी को दूसरे करने के लिए ईसीबी ने अपने खिलाड़ियों के उस समय कहीं और खेलने पर रोक लगा दी है। आईपीएल पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होता है। इंग्लैंड ने हाल ही में आईपीएल के अगले तीन सीज के लिए अपने खिलाड़ियों की पूरी उपलब्धता की पुष्टी की है।

खिलाड़ियों को आईपीएल के अलावा पीएसएल और दुनिया की अन्य फ्रेंचाइजी लीगों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी क्योंकि ये गर्मियों में घरेलू सत्र के साथ टकराती हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि, ईसीबी खिलाड़ियों को वाइटैलिटी ब्लास्ट और हंड्रेड के साथ टकराने वाले किसी भी टूनार्मेंट में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं देगी।

नई नीति के तहत जो खिलाड़ी अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट नहीं खेलते हैं उन्हें भी इंग्लिश घरेलू व्हाइट-बॉल खेलों को मिस करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीबी के मुख्य अधिकारी रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि हमें अपने खेल और अपनी प्रतियोगिताओं की मजबूती को बनाये रखने की आवश्यकता है।

डब्यूटीसी फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हैं प्रबल दावेदार

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां तक कि यहां तक कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से हारकर भी फाइनल की रेस से पूरी तक बाहर नहीं हुई है। दौड़ में बने रहने उसे अपने बाकी बचे दो मैच जीतने होंगे। इसके अलावा उम्मीद करनी होगी कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से हराए। दक्षिण अफ्रीका की टीम श्रीलंका को 2-0 और पाकिस्तान को 2-0 या 2-1 से हराए। फिर श्रीलंका की टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराए या सीरीज 1-1 से बराबर रहे। भारतीय टीम ने पिछली 2 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी अपनी घरेलू धरती पर पाकिस्तान और श्रीलंका को कई बार हराया है।

भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया को 4-0 या 4-1 से सीरीज में हराए तो उसका फाइनल खेलना तय है। वहीं अगर भारत अगर 3-2 से सीरीज जीते तो उसके 58.77 अंक रहेंगे। ऐसा होने पर उसे चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा।

वहीं यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम यदि भारत को 3-1, 4-1 सर 4-0 से हराए और फिर श्रीलंका से भी सीरीज जीते तो फाइनल में पहुंचेगी। . यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से 2-1 से जीते और फिर श्रीलंका को 2-0 से हराए तो भी फाइनल में पहुंच सकती है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से सीरीज हार जाए और उसके बाद श्रीलंका को 2-0 से हराए तो तो भी वह फाइनल में पहुंच जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना सबसे अधिक है. उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 59.26 अंक (परसेंट) हैं। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। उसके तीनों ही मैच घर पर हैं. इनमें से दो मैच जीतकर भी वह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकता है।

अगर श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करा ले तो उसके 54.55 अंक (परसेंट) हो जाएंगे। अगर श्रीलंका की टीम इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को अपने घरेलू सीरीज में दोनों मैच हरा दे तो वह 61.54 अंक (परसेंट) तक पहुंच सकती है, जो वह आसानी से फाइनल में पहुंच जाएगी।

अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से 2-1 से सीरीज जीते तो उस पर फाइनल से बाहर होने का पूरा खतरा बना रहेगा। ऐसा होने पर भारत के 57.02 अंक (परसेंट) रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया को भारत के बाद श्रीलंका में भी सीरीज खेलनी है। अगर ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका की सीरीज 1-1 से बराबर रहे तो वह बाहर हो जाएगी।

दूसरी सबसे बड़ी लीग बनती जा रही एसए20 : स्मिथ

एजेंसी

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीकी अफ्रीकी किकेट लीग एसए20 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग बनने की राह पर है। स्मिथ एसए20 लीग के आयुक्त हैं और उनका लीग को इस स्तर तक आने में विशेष योगदान रहा है। एसए20 का आयोजन पहले दो सत्र में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के साथ ही किया गया था पर इस बार यह लीग नए साल में होने वाले टेस्ट मैच के बाद खेली जाएगी। दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ी भी इसमें भाग ले सकें। प्रतियोगिता के तीसरे सत्र में भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इसमें खेलेंगे। वह इस लीग में इसमें खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे। स्मिथ ने कहा, यह कहना सही नहीं लगता कि आप दुनिया की दूसरे नंबर की लीग बनना चाहते हैं पर सच्चाई यही है कि आईपीएल का कोई जवाब नहीं है। वह अविश्वसनीय टूनामेंट है जिसने क्रिकेट को बदल कर रख दिया उन्होंने कहा, हम भाग्यशाली हैं कि हमने आईपीएल की छह फ्रेंचाइजी को अपनी तरफ आकर्षित किया है। हमने एसए20 को आगे बढ़ाने के लिए बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के साथ मिलकर काम किया। हमें उनसे काफी कुछ सीखने को मिला। कार्तिक इस टूनामेंट में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। वह लीग के भारत के दूत भी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरूआत में सभी प्रारूपों से संन्यास लेने के बाद एसए20 सबसे अच्छी प्रतियोगिता थी जिसमें वह भाग ले सकते थे। कार्तिक ने कहा, जब मैंने आईपीएल के बाद संन्यास लेने की घोषणा की तो तब भी मैं क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहता था।

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

एजेंसी

मुंबई। दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन सुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखना होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंध्न वाशिंगटन सुंदर को को अवसर दे रहा है क्योंकि जब भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा। टीम को लगता है कि उन्हें वाशिंगटन को तैयार करना है इसलिए मुझे लगता है कि वे उसी राह पर काम कर रहे हैं। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से शुरू होने वाले दिन-रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारतीय टीम अपनी इसमें अपनी अंतिम 11 को लेकर संशय में है। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा वापस टीम से जुड़ चुके हैं। वहीं शुभमन गिल भी अंगूठे की चोट से उभरने के बाद वापसी कर रहे हैं।

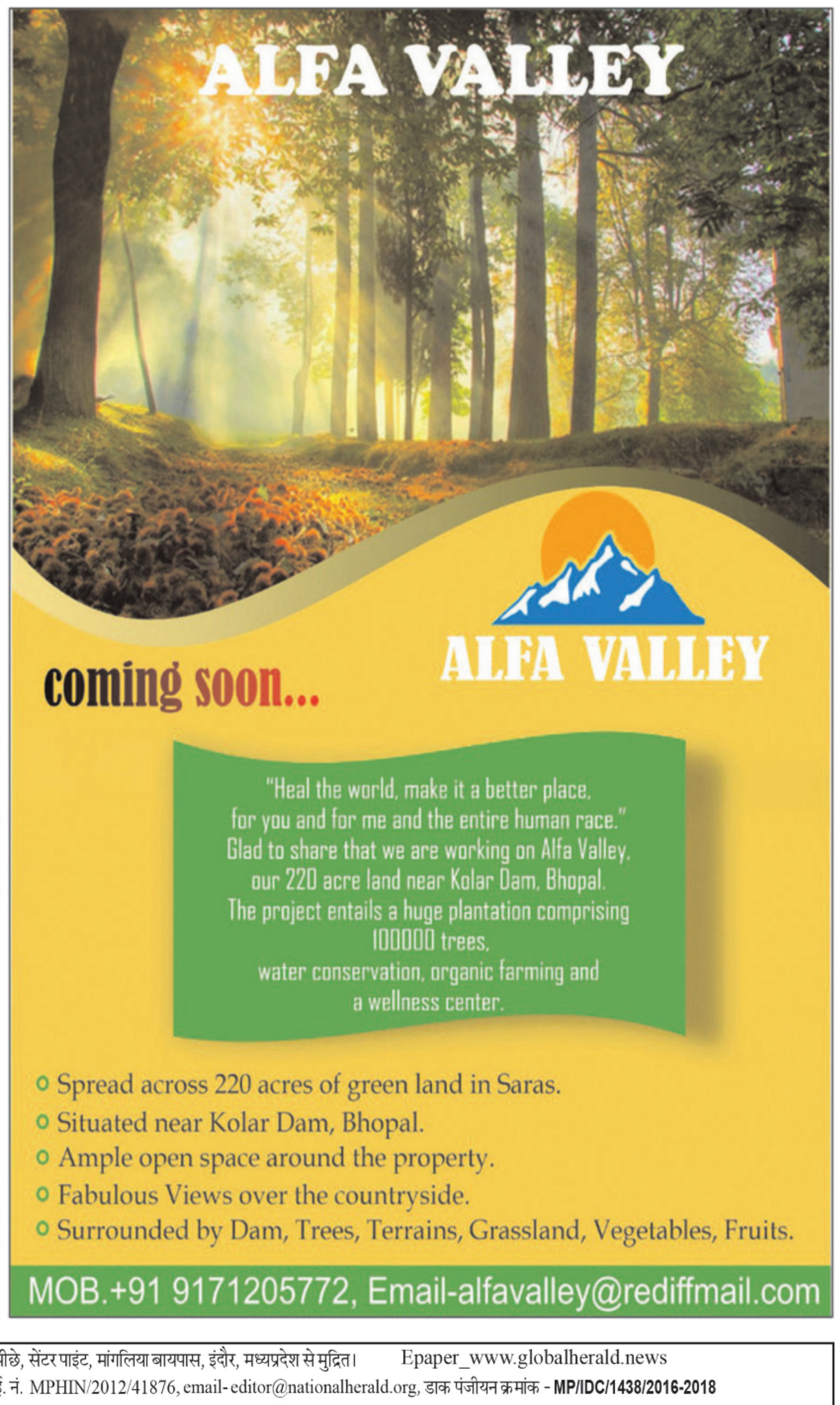

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**